■ वैशाख शुक्ल - 30 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 283 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 12-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तानियों से पूछ लेना चाहिए कि 'ब्रह्मोस' मिसाइल की ताकत क्या है : योगी

6 नर्स की एक मुस्कुराहट हर लेती है हर पीड़ा

7 पाकिस्तानी एक्टर्स पर भड़कीं रूपाली गांगुली

फर्स्ट टेक

बिहार से खालिस्तानी आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने विदेश में रह रहे बब्बर खालसा के आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा से जुड़े एक प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादी को रविवार को बिहार से गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वह (संधू) 2016 में पंजाब की नाभा जेल से भागने वाले कुख्यात अपराधियों में से एक है। बयान में कहा गया कि यह सफलता तब मिली जब एनआईए ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर खालिस्तानी आतंकवादी साजिश के एक मामले में पंजाब के लुधियाना निवासी कश्मीर सिंह गलवाड्डी को बिहार के मोतिहारी से पकड़ लिया।

बिल्डर को धमकी देने के मामले में 20 साल बाद छोटा राजन बरी

मुंबई/भाषा। सीबीआई को झटका देते हुए गैंगस्टर छोटा राजन को एक बिल्डर को धमकाने के आरोप में दो दशक बाद एक विशेष अदालत ने बरी कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में विफल रहा है, क्योंकि गवाहों की गवाही के दौरान कुछ भी अभियोगात्मक नहीं मिला। हालांकि, गैंगस्टर छोटा राजन मुंबई के क्राइम रिपोर्टर जे डे की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और वह तिहाड़ जेल में ही रहेगा। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) अदालत के विशेष न्यायाधीश एएम पाटिल ने बृहस्पतिवार को छोटा राजन को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के सबसे विश्वसनीय गवाह को भी यकीन नहीं है कि बिल्डर को धमकाने के लिए उसे फोन करने वाला व्यक्ति वास्तव में छोटा राजन था।

ईरान और अमेरिका ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता शुरू

दुबई/एपी। ईरान और अमेरिका ने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर रविवार को चौथे दौर की वार्ता शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पश्चिम एशिया की यात्रा से ठीक पहले यह वार्ता हो रही है। ओमान में हो रही इस वार्ता में ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी मध्यस्थता करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि वार्ता में पिछले दौर की वार्ताओं की तरह अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष दोनों पक्ष शामिल होंगे, लेकिन मस्कट और रोम में हुए अन्य दौरों की तरह इसके बारे में जानकारी अभी भी कम ही हैं।

12-05-2025 सूर्यास्त 6:37 बजे | 13-05-2025 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
79,454.47	24,008.00
(-880.34)	(-265.80)

सोना	चांदी
10,137 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	99,565 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फ़ितरते पाकिस्तान

दहशत में रहने वाले तो,
दहशतगर्दी ही लायेंगे।
नफ़रत के सौदागर हैं जो,
वे प्यार कहां कर पायेंगे।
काँटों की आदत पड़ी जिन्हें,
ना गुल वे कभी बिछायेंगे।
जिनकी फ़ितरत जूते खाना,
उनको जूते ही भायेंगे।।

सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा

भारत ने पाकिस्तान को पहुंचाया भारी नुकसान

पाकिस्तान के नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई सैन्य कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचाया और उसके नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया। इतना ही नहीं राजधानी इस्लामाबाद के निकट स्थित प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचाया। सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि संघर्ष में 35-40 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए और नई दिल्ली ने अपने वांछित लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान ने कोई दुस्साहस किया तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने प्रेस वार्ता में 'ऑपरेशन सिंदूर' का विवरण दिया, जिसमें बताया गया कि किस प्रकार भारत ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी मंसूबों को नाकाम कर किया।

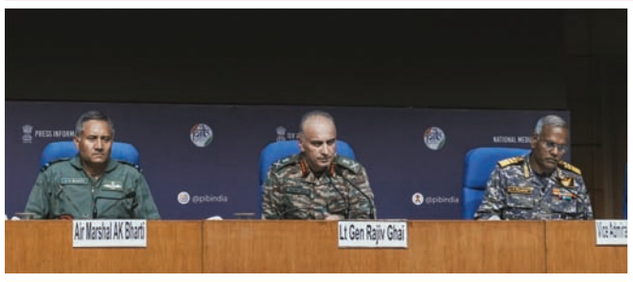

- लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा कि आईसी 814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद समेत 100 से अधिक आतंकवादियों को सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मार गिराया गया।
- संघर्ष में 35-40 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए और नई दिल्ली ने अपने वांछित लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।
- भारतीय लड़ाकू विमानों को हुए नुकसान के बारे में विदेशी मीडिया में आई खबरों के बारे में पूछे जाने पर एयर मार्शल भारती ने कहा, "हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, वे हासिल कर लिए हैं और हमारे सभी पायलट सुरक्षित रूप से घर वापस आ गए हैं।"

भारत ने पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया

एक सवाल के जवाब में एयर मार्शल ए.के. भारती ने कहा कि भारत ने निश्चित रूप से कुछ पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया है, लेकिन उन्होंने संख्या के बारे में कोई अनुमान लगाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "उनके (पाकिस्तान) विमानों को हमारी सीमा के अंदर घुसने से रोक दिया गया। इसलिए हमारे पास मलबा तो नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से हमने कुछ विमानों को मार गिराया है।"

भारतीय लड़ाकू विमानों को हुए नुकसान के बारे में विदेशी मीडिया में आई खबरों के बारे में पूछे जाने पर एयर मार्शल भारती ने कहा, "हम लड़ाई की

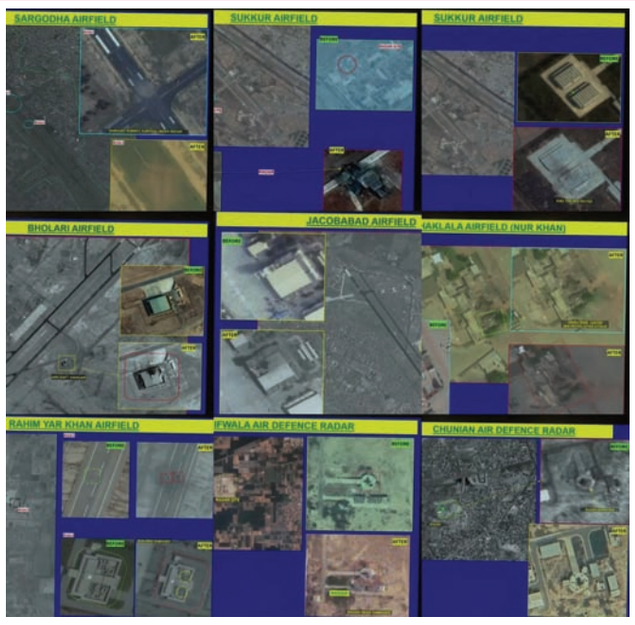

स्थिति में हैं और नुकसान लड़ाई का हिस्सा है।" उन्होंने कहा, "मैं केवल इतना कह सकता हूं कि हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, वे हासिल कर लिए हैं और हमारे सभी पायलट सुरक्षित रूप से घर वापस आ गए हैं।"

डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल घई ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान "दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अपनी जान गंवाने वाले" पांच भारतीय नायकों और नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, "हमने अब तक काफी संयम बरता है और हमारी कार्रवाई केंद्रित, नपी-तुली और तनाव को बढ़ावा नहीं देने वाली रही है। हालांकि, हमारे नागरिकों की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का निर्णायक ढंग से पूरी ताकत से मुकाबला किया जाएगा।"

पाकिस्तानी सेना को हुए नुकसान के बारे में डीजीएमओ ने कहा कि 35-40 सैन्यकर्मियों के मारे जाने की खबर है।

डीजीएमओ ने कहा कि पाकिस्तान के उनके समकक्ष ने कल दोपहर उन्हें फोन करके संघर्ष रोकने का रास्ता निकालने का अनुरोध किया था।

शनिवार दोपहर दोनों डीजीएमओ ने भारतीय समयानुसार शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति व्यक्त की थी।

भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ का यह फोन भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शनिवार सुबह रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियन समेत कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीषण जवाबी हमला करने के बाद आया था।

ये हमले 9-10 मई की रात को पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रमुख भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के प्रयास के बाद किये गये थे।

लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा कि आईसी 814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद समेत 100 से अधिक आतंकवादियों को सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद नौ आतंकवादी ठिकानों की पहचान की गई और उन पर सटीक हथियारों से हमला किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए छह मई को आधी रात के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था।

जनरल द्विवेदी ने सैन्य कमांडरों के साथ स्थिति की समीक्षा की,

उल्लंघन पर जवाबी कार्रवाई का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा शनिवार रात को संघर्ष विराम और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के मद्देनजर पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

सेना ने रविवार को बताया

कि सेना प्रमुख ने दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए शनिवार को बनी सहमति के किसी भी उल्लंघन पर क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई के लिए सेना कमांडरों को पूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। उन्होंने सैन्य कमांडरों कमांडो को पाकिस्तान की किसी भी दुस्साहस मुंह तोड़ जवाब देने के लिए भी कहा है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सेना ने कल शाम दोनों देशों की सेनाओं के बीच बनी सहमति के बावजूद जम्मू कश्मीर, गुजरात और अन्य क्षेत्रों में भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की।

पुतिन ने यूक्रेन के सामने प्रत्यक्ष शांति वार्ताओं का प्रस्ताव रखा

मास्को/कीव/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के सामने 15 मई को तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्ध विराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना और दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था। उन्होंने कहा कि बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के होनी चाहिए।

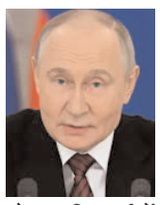

पुतिन ने यह बात जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और पोलैंड के नेताओं के कीव में जेलेंस्की के साथ खड़े होने के कुछ ही घंटों बाद कही है। इन नेताओं ने पुतिन से सोमवार से शुरू होने वाले 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह किया और ऐसा न करने पर बड़े प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी दी।

खबरों के अनुसार संघर्ष की मूल जड़ से पुतिन का मतलब रूस की विभिन्न शिकायतों से है, जिनमें उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का विस्तार और यूक्रेन सेना शामिल है।

पुतिन ने याद दिलाया कि यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान (एसएमओ) की शुरुआत के बाद, रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने बेलारूस में कई दौर की वार्ता की थी और तुर्की की मदद से इस्तांबुल में आगे की वार्ता के बाद, उन्होंने 2022 में एक संयुक्त समझौते को अंतिम रूप दिया था। हालांकि, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यात्रा के बाद, इस मसौदे को खारिज कर दिया गया।

पुतिन ने इस बीच, 30 दिन के युद्धविराम की यूक्रेन की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। युद्ध विराम और संघर्ष विराम का पालन करने में कीव के खराब रिकॉर्ड का हवाला देते हुए पुतिन ने यूक्रेन पर ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर होने वाले हमलों पर 30 दिन तक रोक लगाने और ईस्टर युद्ध विराम का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया। पुतिन के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जेलेंस्की ने 12 मई से पूर्ण, स्थायी व विश्वसनीय युद्धविराम की पूर्व शर्त दोहराई।

आईपीएल के 16 या 17 को फिर से शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण स्थगित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 16 या 17 मई को फिर से शुरू हो सकती है और इसके फाइनल का आयोजन कोलकाता से बाहर किए जाने की संभावना है। शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा ने लीग को फिर से शुरू करने की उम्मीद जगा दी है जिसे नौ मई को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर रविवार को चर्चा की। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अब भी उपयुक्त कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, "अभी तक आईपीएल पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं। बीसीसीआई सचिव, आईपीएल अध्यक्ष फ्रेंचाइजी और सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं इसलिए बहुत जल्द हमें निर्णय के बारे में पता चल जाएगा। टूर्नामेंट को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।" आईपीएल के एक सूत्र ने बताया कि लीग लखनऊ सुपर जाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के बीच लखनऊ में होने वाले मैच के साथ फिर से शुरू होगी।

खरगे-राहुल ने मोदी को पत्र लिखकर की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से पहले एवं उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है। खरगे ने प्रधानमंत्री को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद ने इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि इससे पहले 28 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम हमले को लेकर संसद विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी।

प्रधानमंत्री मोदी का निर्देश-

वहां से गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा : सरकारी सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान में सैन्य टकराव रोकने के लिए बनी सहमति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सशस्त्र बलों को निर्देश दिया है कि पाकिस्तान की हर कार्रवाई का अधिक सख्ती से जवाब दिया जाना चाहिए और अगर वहां (पाकिस्तान) से गोली चलेगी, तो यहां (भारत) से गोला चलेगा। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है और सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत का अब ऐसा ही कठोर रुख रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद की अब और भी अधिक भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

और इस्लामाबाद आतंकवाद को समर्थन जारी रखते हुए अपने पसंद के क्षेत्रों में सहयोग की उम्मीद नहीं कर सकता।

सूत्रों ने कहा कि भारत कश्मीर मुद्दे पर कभी भी मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा और चर्चा का एकमात्र मुद्दा यह है कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को वापस करे।

सीमा पर चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार शाम घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान में जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए सहमति बन गई है।

इस घटनाक्रम का ऐलान सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया था कि अमेरिकी मध्यस्थता के बाद दोनों देश पूर्ण और तत्काल संघर्ष-विराम पर सहमत हो गए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने एक बयान में कहा था कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान की सरकारें तत्काल संघर्ष-विराम तथा एक तटस्थ स्थल पर व्यापक मुद्दों पर बातचीत शुरू करने पर सहमत हो गई हैं।

सरकारी सूत्रों ने रविवार को स्पष्ट किया कि कश्मीर के सिलसिले में चर्चा का एकमात्र मुद्दा यह है कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को वापस करे।

पाकिस्तान के रावलपिंडी में भी भारतीय सेना की ताकत महसूस की गई : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने न केवल सीमा के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया, बल्कि उनकी ताकत पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय की मौजूदगी वाले रावलपिंडी में भी महसूस की गई। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के जरिए कई महिलाओं की मांग का सिंदूर मिटाने वाली भारत विरोधी ताकतों और आतंकवादियों को दंडित किया है।

रक्षा मंत्री ने लखनऊ के 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' में 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटिग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी' का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस मिसाल विनिर्माण इकाई को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक फैक्ट्री का उद्घाटन नहीं है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम भी है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 300 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह विनिर्माण इकाई 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह विनिर्माण इकाई अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उत्पादन करेगी, जिनका उपयोग चंद्रयान मिशन और लड़ाकू विमानों में किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकी अड्डे तबाह करके पाकिस्तान की हालत खराब कर दी : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि सरकार की खुली छूट की बदौलत भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकी अड्डे तबाह करके पाकिस्तान की हालत खराब कर दी है।

यादव ने इंदौर में रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार देश के दुश्मन के नापाक इरादों से निपटने का इंतजाम पहले ही कर लेती है। उन्होंने कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाली सरकार बनी, तो कई लोगों ने पूछा था कि राफेल विमानों के सौदे के लिए इतनी बड़ी धनराशि क्यों खर्च की जा रही है? हमने देखा कि जब भारत का दुश्मन सीमाओं पर खड़ा था, तो राफेल विमानों और आधुनिक सैन्य उपकरणों और तकनीकों से लैस हमारे सशस्त्र बलों ने आतंकी अड्डों को तबाह करके वर्षों पुराना हिसाब चुकता कर दिया।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना अभी देश की सीमाओं के अंदर रुकी हुई है, लेकिन मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ सशस्त्र बलों को खुली छूट प्रदान करके पाकिस्तान की हालत खराब कर दी है। यादव ने कहा, ''यह बदलते दौर का भारत है। दुनिया भारत की तरफ आश्चर्य से देख रही है। वरना एक वक्त वह भी था, जब भारत के दुश्मन हमारे देश के सैनिकों के सिर काटकर ले जाते थे और तत्कालीन सरकार कुछ भी नहीं कर पाती थी। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में दुश्मन ऐसे दुस्साहस की कल्पना तक नहीं कर सकता।'' उन्होंने कि मोदी सरकार एक के बाद एक त्वरित निर्णय लेकर देश को महफूज रखे हुए है।

यादव ने कहा,''प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता और योग्यता दिखाते हुए देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन अगर हमें कोई छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट है और राज्य सरकार ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं।

यादव ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार अपने अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिये रोजगार के साथ ही स्वरोजगार को भी बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने कहा है कि हम एक लाख नई सरकारी नौकरियां देने वाले हैं, लेकिन सूबे की आबादी नौ करोड़ है और सरकारी पदों की कुल संख्या 10 लाख के भीतर है। ऐसे में हम रोजगार आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दे रहे हैं।''

फिल्म ' भूल चूक माफ' के ओटीटी पर रिलीज पर रोक लगायी

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' को पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में रिलीज के बाद आठ हफ्ते के लिए ओटीटी या किसी अन्य मंच पर प्रदर्शित करने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। 'मल्टीप्लेक्स चेन' ने भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता बढ़ जाने के कारण सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी पर इसे रिलीज करने के निर्माताओं के फैसले को अदालत में चुनौती दी थी।

पीवीआर आईनॉक्स ने निर्माता मैडॉक फिल्म्स पर अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। छह मई को दोनों के बीच हुए समझौते के तहत यह फिल्म नौ मई को देशभर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। इसी के साथ इस समझौते में यह भी कहा गया था कि उसे उसके बाद आठ हफ्ते तक ओटीटी या किसी अन्य मंच पर रिलीज नहीं किया जाएगा।

पीवीआर आईनॉक्स के वकील दिनयार मदोन ने दलील दी कि लेकिन निर्माताओं ने रिलीज से ठीक एक दिन पहले समझौता समाप्त कर दिया और 16 मई को ओटीटी रिलीज करने की घोषणा कर दी। मैडॉक के वकील वेंकटेश धोंड ने कहा कि आठ सप्ताह का 'स्थगन' उपबंध केवल तभी लागू होगा जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने साहस और पराक्रम से पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए अपने अदम्य साहस, पराक्रम और रणनीति से पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिवंगत विधायक की याद में यहां गढ़ी कैंट में 12.51 करोड़ रुपए की लागत से बने हरबंश कपूर मेमोरियल सामुदायिक भवन का लोकार्पण करने के अवसर पर धामी ने कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान में स्थित आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। भारत की सेना ने दुश्मन की नापाक हरकतों का करारा जवाब दिया है।''

इस मौके पर क्षेत्र के मौजूदा विधायक और दिवंगत विधायक की पत्नी सविता कपूर भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि देश के जवान सरहदों पर मां भारती की सुरक्षा के लिए खड़े हैं और सेना का साहस अद्भुत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण आतंकवाद के खिलाफ सशक्त कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा,''केंद्र की सरकार राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलती है। हमारे लिए राष्ट्र सबसे प्रथम है।''

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के समग्र विकास हेतु निरंतर कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 23 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गयी हैं और यह सिलसिला आगे भी अनवरत रूप से जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है जबकि पूर्व की सरकारों की विफलताओं के कारण प्रदेश की जनसांख्यिकी में देखे जा रहे गंभीर बदलावों को रोकने के लिए भी सरकार ने कठोर कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए लगभग 1,400 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें यातायात और पार्किंग की समस्या के लिए रिस्पना और बिंदाल नदियों के ऊपर एलिवेटेड रोड के निर्माण की योजना भी शामिल है।

धामी ने कहा कि राज्य में चल रही चार धाम यात्रा में देश-विदेश से आ रहे श्रद्धालुओं के स्वागत एवं उनकी सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद पंजाब में शांति कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, वायु और समुद्र में सभी तरह की गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर बनी सहमति के बाद पंजाब में, खासकर राज्य के सीमावर्ती इलाकों में रविवार को शांति रही। अधिकारियों ने लोगों से अपनी सामान्य गतिविधियां बहाल करने और शांति बनाये रखने को कहा है। सुबह करीब साढ़े आठ बजे, अमृतसर में जिला प्रशासन ने लोगों से अपनी सामान्य दिनचर्या फिर से शुरू करने को कहा।

जालंधर जिला प्रशासन ने भी कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है और लोग अपना कामकाज सामान्य रूप से फिर से शुरू कर सकते हैं। जालंधर के उपायुक्त (डीसी) हिमांशु अग्रवाल ने कहा, ''जालंधर में सब ठीक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चिंता की कोई बात नहीं है और कामकाम सामान्य रूप से फिर से शुरू किया जा सकता है। सुरक्षा बल लगातार नजर रखे हुए हैं।''

जिला प्रशासन ने हालांकि लोगों से पटाखे नहीं चलाने और ड्रोन न उड़ाने का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने कहा, ''अगर इलाके में किसी भी तरह के खतरे की कोई सूचना मिलती है तो हम आपको समय पर सूचित करेंगे और तत्काल कदम उठाएंगे।'' अमृतसर में उपायुक्त साक्षी साहनी ने पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर के साथ शहर और बाजारों का चक्कर लगाया।

उपायुक्त ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अमृतसर के बहादुर और दृढ़निश्चयी लोगों का धन्यवाद। हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि आप में से प्रत्येक ने किस तरह बहादुरी, धैर्य और एक-दूसरे तथा प्रशासन पर भरोसे के साथ स्थिति का सामना किया। आपको एक सुखद दिन की शुभकामनाएं- अपने रविवार का आनंद लें।''

कई स्थानीय लोगों ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में बढ़े तनाव के दौरान, पर्यटकों से भरे रहने वाले अमृतसर में सैलानियों की संख्या में गिरावट देखी गई है।

इस बीच, पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करने वाले पंजाब में लोगों को सामान्य कामकाज करते देखा गया।

खासकर अमृतसर, पठानकोट और फिरोजपुर जैसे सीमावर्ती जिलों में सुबह की सैर कर रहे लोगों ने देश के सशस्त्र बलों को धन्यवाद दिया।

अमृतसर निवासी अमरजीत सिंह ने कहा, ''यह हमारी सेनाओं की वजह से है कि आप हमें आज बिना किसी डर के यहां देख रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में हमने देखा कि पाकिस्तान ने पंजाब और कुछ अन्य राज्यों के कई हिस्सों को निशाना बनाकर कैसे ड्रोन हमले किए।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारी बहादुर सेना ढाल बन गयी और उसने उनके दुस्साहस को विफल कर दिया। उन्होंने आतंकवाद के अपराधियों को कड़ा जवाब दिया और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया। अब जब एक सहमति बन गई है तो हम उम्मीद करते हैं कि शांति बनी रहेगी लेकिन अगर पाकिस्तान फिर से कोई दुस्साहस करता है तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा।''

अमृतसर के एक अन्य निवासी पवन कुमार ने कहा कि तनाव के दिनों के बाद हालात सामान्य हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ दिनों में तनावपूर्ण स्थिति के कारण अमृतसर में पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई। अब, उम्मीद है कि शांति बनी रहेगी।''

परिणाम जारी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस ईएपीसीईटी) 2025 के परिणाम जारी करने के दौरान।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और उपमुख्यमंत्री ने जम्मू में शहीद बीएसएफ अधिकारी को श्रद्धांजलि दी

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी रविवार को यहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज को श्रद्धांजलि देने के लिये आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इम्तियाज ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई गोलीबारी में सर्वोच्च बलिदान दिया।

मंत्री सतीश शर्मा, बीएसएफ के महानिरीक्षक (जम्मू फ्रंटियर) शशांक आनंद, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी के अलावा बीएसएफ, पुलिस और प्रशासनिक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इम्तियाज के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिये पहुंचे।

शनिवार को आर एस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की एक चौकी के पास पाकिस्तान की ओर से दागे गये मोर्टार के गोले के फटने से बिहार निवासी उपनिरीक्षक इम्तियाज शहीद हो गए और उनके सात साथी घायल हो गए।

उपराज्यपाल ने कहा, ''मैं बीएसएफ के हमारे बहादुर जवान के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं। उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

दर्शन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रविवार को सिंधुदुर्ग के फोर्ट राजकोट में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के 'दर्शन और पूजन कार्यक्रम' के लिए पहुंचे।

सेबी के मुताबिक 'इंडेक्स ऑप्शस' में लोगों का कारोबार बहुत नहीं घटा, आगे की कार्रवाई संभव

मुंबई/भाषा। सेबी ने पाया है कि वायदा-विकल्प खंड के 'इंडेक्स ऑप्शस' में लोगों की गतिविधियों में उतनी गिरावट नहीं आई है जितनी उम्मीद थी। सूत्रों ने कहा कि बाजार नियामक लोगों की गतिविधियों की फिर से जांच करेगा और अगर जरूरी हुआ तो आगे की कार्रवाई करेगा। सेबी ने दिसंबर 2024 और मार्च 2025 के बीच 'इंडेक्स ऑप्शस' गतिविधियों की जांच की और पाया कि सालाना आधार पर इसमें कुछ कमी हुई है, लेकिन यह अभी भी दो साल पहले की तुलना में बहुत अधिक है।

गौरतलब है कि सेबी ने नवंबर 2024 में व्यक्तिगत गतिविधि को सीमित करने के लिए वायदा और विकल्प खंड पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे। आंकड़ों के मुताबिक व्यक्तिगत निवेशकों को 90 प्रतिशत से अधिक सौदों में घाटा होता है। बीते चार महीनों के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि इक्विटी वायदा-विकल्प में कारोबार करने वाले व्यक्तियों की संख्या में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन दो साल पहले की तुलना में यह 77 प्रतिशत अधिक है। एक सूत्र ने कहा, ''सेबी निवेशकों की सुरक्षा और प्रणालीगत स्थिरता के लिए इंडेक्स ऑप्शन में व्यक्तियों की कारोबारी गतिविधियों की फिर से जांच करेगा।

जल विवाद को लेकर अगर कुछ अप्रिय हुआ तो भाजपा, बीबीएमबी जिम्मेदार होंगे: मुख्यमंत्री मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर नांगल बांध पर अधिकारियों को भेजा जाना जारी रहा तो हिंसा या कुछ अप्रिय घटना होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) जिम्मेदार होंगे। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर किसान संघों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। मान को जब पता चला कि बोर्ड के अधिकारी हरियाणा के लिए पानी छोड़ने को लेकर फिर से बांध पर पहुंचे हैं तो वह रूपनगर जिले में नांगल बांध की ओर चल पड़े। पंजाब सरकार में मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं और कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने पड़ोसी राज्य हरियाणा के लिए पानी छोड़ने आए अधिकारियों के इस प्रयास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

बोर्ड के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी को 'आप' कार्यकर्ताओं द्वारा नांगल बांध के गेस्ट हाउस में कथित तौर पर बंद करने के चार दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ।

पंजाब और हरियाणा में पानी के बंटवारे को लेकर टकराव जारी है।

पंजाब में 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार ने भाखड़ा बांध से पानी साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि हरियाणा पहले ही अपने हिस्से का पानी इस्तेमाल कर चुका है।

मान ने राज्य की नदियों के जल संरक्षण पर किसान संघों की 'चुप्पी' पर भी निशाना साधा।

मान ने नांगल बांध पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ पंजाब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दुश्मनों का डटकर मुकाबला कर रहा है और दूसरी तरफ केंद्र की भाजपा सरकार 'गंदे खेल' खेल रही है और राज्य को उसके पानी से वंचित करने के लिए नौटंकी कर रही है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है और संकट के समय में इससे बचना चाहिए। मान ने कहा कि पंजाब सरकार सीमा और राज्य के पानी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मान ने पानी छोड़ने के प्रयासों की निंदा करते हुए भाजपा और बोर्ड को चेतावनी दी कि वे नांगल बांध पर बार-बार अधिकारियों को भेजकर कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश न करें। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कोई अप्रिय घटना होती है, जान-माल का नुकसान होता है या हिंसा होती है, तो इसके लिए बोर्ड और भाजपा जिम्मेदार होंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या पंजाब सरकार उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी, जिसपर मान ने कहा कि जब जल बंटवारे के लिए ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है, तो राज्य किस आदेश को चुनौती देगा।

अभी घर वापस न जाएं सीमावर्ती गांवों के निवासी, सुरक्षित स्थानों पर रहें: जम्मू-कश्मीर पुलिस

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने रविवार को सीमावर्ती गांवों के निवासियों से कहा कि वे अपने घरों पर वापस न लौटें, क्योंकि अभी इन क्षेत्रों को साफ किया जाना है और किसी भी अज्ञात गोला-बारूद को हटाना है।

बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पास के गांवों के 1.25 लाख से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था, क्योंकि उनके घरों को पाकिस्तानी गोलाबारी का निशाना बनाए जाने का बहुत अधिक खतरा था।

पुलिस की ओर से जारी एक परामर्श में कहा गया, ''सीमावर्ती गांवों में वापस न लौटें। पाकिस्तानी गोलाबारी के बाद अज्ञात गोला-बारूद के बिखरे होने से जान जोखिम में पड़ सकती है।''

परामर्श में कहा गया है कि बम निरोधक दस्तों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा ताकि गांवों को साफ किया जा सके और उन सभी अज्ञात बमों को हटाया जा सके, जिनसे जान का नुकसान हो सकता है।

इसमें कहा गया, ''2023 में नियंत्रण रेखा के पास बचे हुए बमों में विस्फोट होने से 41 लोगों की जान चली गई।'' परामर्श में निवासियों के गांवों की ओर लौटने के खतरों का उल्लेख किया गया है।भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमला किया था।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे भाजपा नेताओं के साथ रविवार को बेंगलूरु में भारतीय सशस्त्र बलों के समर्थन में वॉक फॉर नेशन मार्च में भाग लेती हुई।

कर्नाटक सरकार अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर एक लाख 'स्वामित्व प्रमाणपत्र' वितरित करेगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कर्नाटक में अपने शासन की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस सरकार पात्र लाभार्थियों को एक लाख भूमि स्वामित्व पत्र वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को यह जानकारी दी। भूमि स्वामित्व पत्र उन लोगों को वितरित किए जाएंगे जो अब तक ऐसी बस्तियों में रह रहे थे जहां घरों के वैध दस्तावेज उनके पास नहीं थे लेकिन अब इन बस्तियों को राजस्व गांव का दर्जा दे दिया गया है। शुक्रवार को प्रदेश मंत्रिमंडल ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 20 मई को आयोजित होने वाले समारोह को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया था। शिवकुमार ने कहा कि वह 20 मई को विजयनगर जिले में कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार करेंगे, क्योंकि शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई तत्काल प्रभाव से रोकने की सहमति बन गई।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान

शिवकुमार ने कहा, अब तक यह तय किया गया था कि मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा के नेतृत्व वाले राजस्व विभाग की ओर से एक लाख लोगों को भूमि स्वामित्व पत्र दिए जाएंगे और यह कार्यक्रम 20 मई को विजयनगर जिले में आयोजित किया जाएगा, लेकिन युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया।

उन्होंने कहा,मैं एक-दो दिन में इस पर चर्चा करूंगा। अगर कोई समस्या नहीं होती है, तो हम इसे 20 मई को ही करेंगे। उन्होंने कहा, मैं कोई टिप्पणी या राय व्यक्त नहीं करना चाहता, ताकि कोई भ्रम न फैले। हमें देश की गरिमा और सम्मान की रक्षा करनी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जल्द ही कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में सौ पार्टी कार्यालयों की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में अपनी भागीदारी के लिए तारीख बताएंगे, जो महात्मा गांधी द्वारा बेलगावी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन की अध्यक्षता करने के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा, हम बेलगावी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र की अध्यक्षता करने वाले महात्मा गांधी के शताब्दी समारोह को मनाने के लिए सौ कार्यालय खोलने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। कुछ स्थानों पर भूमि को मंजूरी दी जा रही है, जबकि कुछ स्थानों पर भूमि खरीदी जा रही है।

बेंगलूरु के तीन श्रद्धालुओं ने तिरुपति मंदिर को चांदी के चार विशाल दीपक दान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/तिरुपति। बेंगलूरु के तीन श्रद्धालुओं ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को चांदी के चार विशाल दीपक दान किए हैं। टीटीडी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि बेंगलूरु के राधा कृष्ण, श्याम सुंदर शर्मा और शशिधर ने शनिवार शाम को ये दीपक दान किए। इसमें कहा गया कि दानकर्ताओं ने मंदिर के अधिकारी रामकृष्ण को महाद्वारम (भव्य प्रवेश द्वार) पर ये दीपक भेंट किए।

इससे पहले, टीटीडी के अध्यक्ष बी आर नायडू ने मंदिर निकाय के कर्मचारियों को तिरुमाला और तिरुपति के बीच सुरक्षित यात्रा के लिए 555 हेलमेट वितरित किए। दिल्ली की एक हेलमेट कंपनी के प्रतिनिधि जे रघुराम और नवीन ने पांच लाख रुपये की कीमत के हेलमेट दान किए। नायडू ने वादा किया कि 15 दिन के भीतर 500 और हेलमेट दान किए जाने की उम्मीद है।

नायडू ने कहा, अगर इनकी गुणवत्ता और उपयोग संतोषजनक पाया गया तो 5,000 और हेलमेट उपलब्ध कराए जाएंगे। तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर दुनिया का सबसे अमीर हिंदू मंदिर है, जहां प्रतिदिन 70,000 से एक लाख श्रद्धालु आते हैं जो औसतन तीन करोड़ रुपये से अधिक का चढ़ावा चढ़ाते हैं।

केनरा बैंक ने 10 सप्ताह में 16,700 करोड़ रुपये जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने जमा वृद्धि की चुनौतियों का सामना करते हुए अपने सभी 82,000 कर्मचारियों से धन जुटाने के लिए कहा है। बैंक के कर्मचारियों ने 10 सप्ताह में 16,700 करोड़ रुपये की जमा जुटाई है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। जमा वृद्धि की प्रणाली-व्यापी चुनौतियों के बीच, बैंक के शीर्ष प्रबंधन ने प्रत्येक कर्मचारी को जमा बढ़ाने का आह्वान किया और इस वर्ष 26 जनवरी को अभियान शुरू हुआ।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी के सत्यनारायण राजू ने पीटीआई-भाषा को बताया, हमने 82,000 कर्मचारियों में से प्रत्येक को अपने रिश्तेदारों और अपने दायरे में आने वाले सभी लोगों से संपर्क करने के लिए कहा है। प्रत्येक को 'कासा' (चालू और बचत खाता) या खुदरा सावधि जमा (एफडी) के रूप में 10 लाख रुपये की जमा राशि जुटानी होगी। राजू ने कहा कि कर्मचारियों ने पूरे दिल से इस अभियान का समर्थन किया है और वे शीर्ष नेतृत्व के साथ तालमेल में हैं। उन्होंने जोर दिया कि पिछले दो-तीन साल में प्रबंधन के कार्यों से इस अभियान को मदद मिली है।

राजू ने कहा, 'पिछले दो-तीन साल में हमने कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने, पदोन्नति, प्रदर्शन मान्यता और तबादलों में पारदर्शिता लाने के लिए कदम उठाए हैं, जो अच्छा रहा है। जब हमने उन्हें फोन किया, तो हमने उन्हें ठीक से समझाया और हम उन्हें समय की जरूरत के बारे में समझा पाए।' राजू ने कहा कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए और कर्मचारी 16,700 करोड़ रुपये जमा करने में सफल रहे, जिसे 'कासा' और सावधि जमा के बीच बराबर बांटा गया।

उन्होंने कहा कि इससे ऋण जमा अनुपात को दिसंबर के 76 प्रतिशत के स्तर से घटाकर मार्च तिमाही में 73 प्रतिशत करने में मदद मिली।

भारत अपनी रक्षा एवं कूटनीतिक रणनीति पर चलता है : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि भारत, उसकी रक्षा और कूटनीति अपनी रणनीति का पालन करती है और सरकार सशस्त्र बलों के साथ चर्चा के बाद पाकिस्तान के साथ सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सरकार ने निर्णय लिया है कि भारत अपनी धरती पर भविष्य में होने वाली किसी भी आतंकवादी कार्रवाई को 'युद्ध की कार्रवाई' के रूप में देखेगा और उसी के अनुसार जवाब देगा। केंद्रीय उपभोक्ता तथा खाद्य एवं वितरण मंत्री जोशी ने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत की अपनी ताकत है। पहले बड़े आतंकी हमलों के बाद भी हमारी प्रतिक्रिया मामूली होती थी। लेकिन इस बार पहले ही दिन हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान में करीब नौ आतंकी ठिकानों या लॉन्च पैड पर हमला किया। बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। इसलिए मैं युद्ध विराम की घोषणा की आलोचना करने वालों को जवाब नहीं देना चाहता।

जोशी ने हुब्बल्ली में पत्रकारों से कहा कि जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, आतंकवादी गतिविधियां, जो पहले देश भर में होती थीं, सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित हो गई हैं और वहां भी सरकार गंभीर कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा, ''भारत और उसके रक्षा बलों की कूटनीति और विदेशी मामलों समेत विभिन्न विषयों पर अपनी रणनीतियां हैं। रक्षा बलों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद भारत सरकार ने अपना निर्णय लिया है। आने वाले दिनों में विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इस बारे में और जानकारी देंगे।''

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में जोशी ने कहा कि खबरों से पता चलता है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने संघर्ष विराम उल्लंघन के बारे में अपने भारतीय समकक्ष से बात की है। उन्होंने कहा कि आगे की जानकारी के लिए संबंधित मंत्रालय जवाब देगा।उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा से पहले ही कड़ा रुख अपना लिया था कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी कार्रवाई को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को इससे सबक सीखना चाहिए।

इस बीच केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बेंगलूरु में संघर्षविराम का उल्लंघन करने को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा। करंदलाजे ने कहा, हमारे जवाबी हमले से डरकर पाकिस्तान अमेरिका और अन्य देशों से संघर्षविराम की गुहार लगाने लगा। उन्होंने कहा, लेकिन पाकिस्तान भरोसेमंद नहीं है और उसने संघर्षविराम की घोषणा के बाद कल रात एक बार फिर भारत पर हमला करने की कोशिश की। हम, भारत के लोग, अपने सशस्त्र बलों के पीछे मजबूती से खड़े हैं, और उनके परिवारों का समर्थन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

श्रीनगर में फंसे राज्य के 13 कृषि छात्र सुरक्षित लौटे

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत । श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रहे राज्य के 13 छात्रों को सुरक्षित वापस लाया गया है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के निर्देश पर कार्य करते हुए अधिकारी जम्मू से राज्य के छात्रों को सुरक्षित वापस लाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान नापाक तरीकों से भारत पर हमला कर रहा है और उसका जवाब दिया जा रहा है। इसके अलावा, घाटी में सभी लोगों के जीवन की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार छात्रों को निकालने के लिए सभी उपाय किए गए हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि मैं इस ऑपरेशन में मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मंत्री ने कहा कि सभी छात्र पहले ही नई दिल्ली पहुंच चुके हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से बेंगलूरु भेजने की व्यवस्था कर दी गई है।

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत चन्नपटना तालुक के टैगचगेरे गांव के छात्र हर्षित के माता-पिता ने युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी से जम्मू में फंसे अपने बेटे को बचाने की अपील की थी। उन्होंने तुरंत यह मामला केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के ध्यान में लाया और छात्रों को सुरक्षित निकालने का अनुरोध किया।

शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच बस द्वारा श्रीनगर से जम्मू पहुंचे छात्र रविवार दोपहर तक ट्रेन से दिल्ली पहुंच गए। केंद्रीय मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों के स्थानांतरण और यात्रा की सभी प्रक्रियाओं की निगरानी की और अधिकारियों और छात्रों के साथ लगातार संपर्क में रहे। छात्रों के नई दिल्ली पहुंचने के बाद भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा उनकी पूरी देखभाल की जा रही है। कुमारस्वामी ने कहा कि जब तक छात्र सुरक्षित अपने घर नहीं पहुंच जाते, हम सतर्क रहेंगे।

कुमारस्वामी ने कहा, यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट मार्गदर्शन के कारण ही संभव हो पाया है, जबकि पूरा देश चुनौतीपूर्ण स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर से छात्रों को सुरक्षित निकालने में केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों ने सहयोग किया है। मैं विशेष रूप से सुरक्षा एजेंसियों, रेलवे कर्मियों और मंत्रालय के अधिकारियों की सराहना करता हूं। हमारे लोगों, खासकर दूरदराज के इलाकों के छात्रों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी तेरह छात्रों ने श्रीनगर से दिल्ली सुरक्षित लौटने पर बहुत खुशी व्यक्त की।

सेना के सम्मान में इस्कॉन द्वारा 'अभयम : सुरक्षा के लिए प्रार्थना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देश में व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर ने रविवार, 11 मई को श्री नरसिंह जयंती मनाई। भारत के लोगों और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए भगवान विष्णु के विशेष देवता और सिंह अवतार, नरसिंह से प्रार्थना की गई। देश पर जारी हमलों के मद्देनजर नरसिंह जयंती के अवसर पर इस्कॉन बेंगलूरु के भक्तों ने 'अभयम: सुरक्षा के लिए प्रार्थना' शीर्षक से एक विशेष सामूहिक प्रार्थना सभा आयोजित की। रविवार की सुबह, इस्कॉन बेंगलूरु के कई भक्तों ने शहर भर में 108 विभिन्न स्थानों पर अरुणोदय कीर्तन किया और देश के नागरिकों और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए भगवान नरसिंह से आशीर्वाद मांगा।

इस अवसर पर इस्कॉन बेंगलूरु के अध्यक्ष श्रीमधु पंडित दास ने देश के वीर सैनिकों और सभी नागरिकों के लिए प्रार्थना करते हुए कहा, देश में वर्तमान तनावपूर्ण स्थिति में, भगवान नरसिंह, जिन्होंने प्रह्लाद को महान खतरों से बचाया था, हमें निरंतर सुरक्षा प्रदान करें और हमारे जीवन को शांति, समृद्धि और निर्भयता से भर दें। भगवान की दहाड़ हमारे दिलों से सभी भय को मिटा दे। भगवान नरसिंह की कृपा हमारे वीर सैनिकों और भारत के सभी लोगों की रक्षा करे।

इस्कॉन के एक प्रवक्ता ने बताया कि श्रील प्रभुपाद के निर्देशों का पालन करते हुए इस्कॉन बेंगलूरु ने 108 स्थानों पर अरुणोदय संकीर्तन का आयोजन किया, जिसमें देश के लोगों की सुरक्षा की मांग की गई तथा आक्रमणकारियों के खिलाफ भारत की जीत के लिए प्रार्थना की गई।

भोर के मंत्रोच्चार के बाद, भक्तों ने के तीन प्रमुख इस्कॉन मंदिर हरे कृष्णगिरि, राजाजीनगर, वैकुंठ गिरी, वसंतपुरा और इस्कॉन हरे कृष्ण धाम, व्हाइटफील्ड में भगवान नरसिम्हा की उत्सवपूर्ण मूर्ति पर एक विस्तृत नरसिम्हा अभिषेक किया। इन तीनों मंदिरों में हजारों भक्तों ने एकजुट होकर 'अभयम - सुरक्षा के लिए प्रार्थना' नामक एक विशेष कार्यक्रम में भगवान नरसिंह के पवित्र नाम का जाप किया।

स्टार एयर इस सप्ताह कोल्हापुर से बेंगलूरु, हैदराबाद, नागपुर के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी

बेंगलूरु/मुंबई। क्षेत्रीय विमानन कंपनी स्टार एयर ने रविवार को कहा कि वह 15 मई से कोल्हापुर से बेंगलूरु, हैदराबाद और नागपुर के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी। स्टार एयर फिलहाल कोल्हापुर से तीन गंतव्यों - अहमदाबाद, मुंबई और तिरुपति के लिए 16 साप्ताहिक उड़ानें (सीधी और वाया) संचालित करती है। इस विस्तार से एयरलाइन की कोल्हापुर से सात गंतव्यों तक उड़ानें बढ़ जाएंगी, जिससे साप्ताहिक आवृत्ति 28 हो जाएगी।

स्टार एयर ने कहा कि 15 मई से वह अपने मौजूदा मुंबई-कोल्हापुर-मुंबई और कोल्हापुर-अहमदाबाद-कोल्हापुर मार्गों पर 50 सीट वाले एम्ब्रेयर ईआरजे-145 विमान को 'बिजनेस' श्रेणी के 76 सीट वाले ईआरजे-175 विमान से बदल देगी। एक बयान के अनुसार, कोल्हापुर से नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत कोल्हापुर मुख्यालय वाली विविधीकृत संजय घोडावत समूह की एयरलाइन की ग्रीष्मकालीन अनुसूची नेटवर्क विस्तार योजना का हिस्सा है।

एयरलाइन ने कहा कि तीन जून से वह कोल्हापुर से सात गंतव्यों - अहमदाबाद, मुंबई, तिरुपति, बेंगलूरु, हैदराबाद, नागपुर और किशनगढ़ के लिए 32 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी।

आईसीएआर के पूर्व प्रमुख अयप्पन कावेरी नदी में मृत मिले

मंड्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पूर्व महानिदेशक एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सुब्बन्ना अय्यप्पन, श्रीरंगपटना के निकट कावेरी नदी में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार को उनका शव पानी में बहता मिला, जिसके बाद उसे बाहर निकाल लिया गया। अय्यप्पन (70) कृषि और मत्स्य वैज्ञानिक थे। पुलिस के अनुसार, उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे पाया गया और संदेह है कि उन्होंने नदी में छलांग लगाई होगी। अय्यप्पन मैसूर के विश्वेश्वर नगर औद्योगिक क्षेत्र के निवासी थे और उनके परिवार ने मैसूर के विद्यारण्यपुरम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह सात मई को लापता हो गए थे।

पुलिस ने बताया कि वह श्रीरंगपटना में कावेरी नदी के तट पर स्थित साईंबाबा आश्रम में अक्सर ध्यान किया करते थे। भारत की 'नीली क्रांति' में अहम भूमिका निभाने वाले अय्यप्पन के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं।

कश्मीरी विश्वविद्यालय छोड़कर दिल्ली में शरण लेने वाले छात्र वापसी को लेकर असमंजस में

चेन्नई/नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान कश्मीर के अपने विश्वविद्यालयों को छोड़कर दिल्ली के विभिन्न राज्य भवनों में शरण लेने वाले दक्षिण भारत के कई विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए लौटने को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। भारत द्वारा सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किये जाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से विद्यार्थियों को घाटी से निकाला गया था। इस अभियान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। इस हमले के बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी गोलाबारी की थी।

एनआईटी श्रीनगर में पढ़ने वाले आंध्र प्रदेश के एक छात्र ने बताया, जब भी बिजली कटती थी, तो संदेश आते थे और हमें भूतल की ओर भागना पड़ता था। बिजली गुल होने के दौरान हमें समझ नहीं आता था कि क्या करें। छात्र ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी मदद नहीं की। उन्होंने बताया, हमने अपनी यात्रा की व्यवस्था खुद की और अब दिल्ली में हमारे राज्य भवन में हमारी देखभाल की जा रही है। तमिलनाडु की रहने वाली एक छात्रा आनंदी ने जम्मू-कश्मीर से निकाले गए दक्षिणी राज्यों के कई छात्रों के सामने आने वाली दुविधा को दर्शाते हुए कहा, हमें कश्मीर में पढ़ाई करने के लिए अपने माता-पिता से लड़ना पड़ा, अब हमें उन्हें लौटने और अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए फिर से मनाना होगा। '

सीजफायर के उल्लंघन के चलते अत्यधिक सजग और सतर्क रहने की जरुरत : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बावजूद उल्लंघन की घटनाएं हो रही हैं, ऐसे में हमें अत्यधिक सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है। शेखावत ने वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा की परिस्थितियों के मद्देनजर रविवार को यहां कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अटल सेवा केंद्र में जोधपुर जिले के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को लेकर आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के अवसर पर मीडिया से संवाद करते हुए यह बात कही।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति के प्रयासों के बीच यदि तनाव बढ़ता है तो हमें उसी स्तर की सैन्य एवं नागरिक तैयारियां रखनी होंगी जैसी युद्ध की परिस्थितियों में अपेक्षित होती हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने जोधपुर, फलौदी, जैसलमेर और बाड़मेर जैसे सीमावर्ती जिलों में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें की हैं ताकि एक एकीकृत रणनीति तैयार की जा सके। बैठक में शेखावत ने कहा कि हमें उपलब्ध संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करते हुए कार्य करना है और संकट की घड़ी में एकजुटता और समन्वय ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

बैठक में मिलिट्री हॉस्पिटल, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज, एम्स, रेलवे हॉस्पिटल सहित सभी प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में सिंक्रोनाइज्ड रिस्पॉन्स और अत्याधुनिक चिकित्सा संसाधनों की तत्पर उपलब्धता सुनिश्चित करना था। उन्होंने जिले के सभी प्रमुख अस्पतालों में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाने के निर्देश दिए जो संकट की स्थिति में समन्वय का कार्य करेंगे। साथ ही जिला प्रशासन से भी प्रत्येक अस्पताल के लिए एक-एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि प्रशासनिक और चिकित्सकीय समन्वय में कोई बाधा न आए।

शेखावत ने बैठक में विस्तार से मेडिकल इक्विपमेंट्स, रक्त की उपलब्ध यूनिट्स, बेड्स, आईसीयू संसाधन और एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी संस्थान किसी भी समय फुल अलर्ट मोड में रहकर कार्य करें। बैठक में जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि जिले में सभी चिकित्सा संस्थानों में एम्बुलेंस, मेडिकल स्टाफ, आवश्यक उपकरण, रक्त यूनिट्स एवं दवाइयों का प्राकृतिक आपदा एवं आक्रमण जैसी आपातकालीन स्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया गया है।

उन्होंने बताया कि सभी अस्पतालों के साथ लगातार मॉक ड्रिल और क्रिक रिस्पॉन्स टीम्स को सक्रिय रखा गया है। इस अवसर पर डा एस एन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व कंट्रोलर डॉ. बी.एस. जोधा, एम्स जोधपुर के डायरेक्टर डा जी.डी. पुरी, मिलिट्री हॉस्पिटल से कर्नल अबीर गोगोई व लेफ्टिनेंट कर्नल देशमुख, रेलवे हॉस्पिटल से डा एस.आर. बंकर, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय सुरेन्द्र राजपुरोहित तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर हनुमान चालीसा कर मनाया विजय दिवस

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हनुमान नगर विस्तार खातीपुरा में मदर्स डे और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर एवं भारत माता का जयकारा बोल कर विजय दिवस मनाया गया। हनुमान नगर विस्तार खातीपुरा स्थित पवन पुत्र पार्क में हनुमान के मंदिर में यह विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, पूर्व डीआईजी सुरेंद्र कुमार, पूर्व कमिश्नर रामकुमार चौधरी तथा सुरेंद्र सिंह मीठड़ी, डॉ श्रीराम तिवाड़ी, भंवर सिंह, नरेंद्र शर्मा, हितेंद्र जोशी, रघुनंदन सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुरेंद्र शर्मा ,कैप्टन रामफल गुर्जर सहित कई लोगों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया और ऑपरेशन सिंदूर में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की हनुमानजी महाराज से प्रार्थना की। भारतीय वीर सैनिकों को पाकिस्तान पर फतेह की बधाइयां और शुभकामनाएं दी गई और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद पक्षियों लिए परिंडे और जानवरों के पानी पीने के लिए कुंडे वितरित किए गए।

राजस्थान में कई जगह बारिश का पूर्वानुमान

जयपुर। राजस्थान के कुछ भागों में अगले दो से तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और अगले सप्ताह भीषण गर्मी का नया दौर शुरू होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र ने बताया कि राज्य के कुछ भागों में आगामी दो से तीन दिन कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में 13 मई से व पूर्वी राजस्थान में 14 मई से अधिकांश स्थानों पर आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। इसके अनुसार आगामी दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में 15 मई को अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने और भीषण गर्मी का नया दौर शुरू होने की संभावना है।

शहीद सुरेन्द्र कुमार मोगा का राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। सेना के ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए राजस्थान में झुंझुनूं जिले के वीर सपूत सुरेंद्र कुमार मोगा का रविवार को उनके पैतृक गांव मंडावा तहसील के मेहरादासी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के आठ वर्षीय पुत्र दक्ष ने उन्हें मुखाग्नि दी।

इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा, स्वायत शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सांसद बृजेन्द्र ओला, विधायक रीटा चौधरी सहित कई नेताओं ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प एवं पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और अंतिम विदाई दी।

इस दौरान शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए ग्रामीण उमड़ पड़े और हिन्दुस्तान जिंदाबाद एवं शहीद सुरेन्द्र कुमार अमर रहे के नारों से क्षेत्र गूंज उठा। इससे पहले शहीद का पार्थिव शरीर सुबह सैन्य सम्मान के साथ झुंझुनूं पहुंचा और मंडावा से उनके पैतृक गांव मेहरादासी तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

जिला कलेक्टर रामावतार मीणा और पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि वायु सेना में असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र कुमार मोगा शनिवार सुबह उधमपुर हवाई अड्डे पर पाकिस्तान की गोलाबारी में शहीद हो गए थे।

राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में रात भर रही अनिश्चितता, सुबह से माहौल सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पाकिस्तान की तरफ से शनिवार रात संघर्षविराम का उल्लंघन किए जाने के बाद राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में रातभर अनिश्चितता का माहौल रहा, हालांकि रविवार को अधिकांश शहरों व कस्बों में हालात सामान्य दिनों की तरह रहे। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भी उन रेलगाड़ियों को बहाल करने की घोषणा की है जिन्हें तनाव के कारण शनिवार को रद्द या आंशिक रूप से रद्द कर दिया था। शनिवार रात को राज्य के सीमावर्ती इलाकों में 'ब्लैकआउट' रहा और जैसलमेर, बाड़मेर सहित कई सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन की गतिविधियां देखी गईं और विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। जैसलमेर के निवासी रेवंत सिंह के अनुसार ड्रोन आदि की गतिविधि पहले की दो रातों की तुलना में कहीं कम रही।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बीती रात पूरी तरह से तो सामान्य नहीं थी क्योंकि आसमान में ड्रोन गतिविधियां देखी गईं। उन्होंने इसे घोषित संघर्षविराम का स्पष्ट उल्लंघन बताया। बृहस्पतिवार व शुक्रवार रात को राज्य के जैसलमेर और बाड़मेर में पाकिस्तान द्वारा ड्रोन हमले किए गए। भारतीय सशस्त्र बलों ने इन हमलों को हवा में ही विफल कर दिया और किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। राज्य में शनिवार को कई जगह ड्रोन के मलबे और मिसाइल जैसी वस्तुएं बरामद की गईं।

शनिवार शाम को संघर्ष विराम की घोषणा से सीमावर्ती इलाकों के लोग कुछ आश्वस्त नजर आए और स्थिति सामान्य होने लगी। जैसलमेर और बाड़मेर में शाम को बाजार फिर से खुल गए और बाड़मेर में 'ब्लैकआउट' की घोषणा वापस ले ली गई। जैसलमेर और जोधपुर में भी 'ब्लैकआउट' की अवधि कम कर दी गई। हालांकि, रात होते होते संघर्षविराम उल्लंघन की खबरें आने के बाद सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर के साथ फलोदी में जिला प्रशासन ने 'अलर्ट' जारी करते हुए 'ब्लैकआउट' कर दिया। सीमा के निकट झिनझिनयाली (फतेहगढ़) गांव के तारेंद्र सिंह ने कहा, शाम को संघर्ष विराम की खबर मिली और बाजार फिर से खुल गए, लेकिन रात करीब नौ बजे फिर से आसमान में ड्रोन देखे गए। हमने विस्फोट सुने, हालांकि पिछली रात की तुलना में गतिविधि कम थी।

उन्होंने कहा, आज दिन की शुरुआत सामान्य रही। दुकानें खुली हैं, गतिविधियां सामान्य हो गई हैं और कोई डर नहीं है। बाड़मेर में एक गांव में रविवार को ड्रोन का मलबा मिला। सीमावर्ती अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर से भी ड्रोन की गतिविधि की सूचना मिली। दूसरी ओर, उत्तर पश्चिम रेलवे ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए रद्द या आंशिक रूप से रद्द की गई रेल गाड़ियों को बहाल कर दिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने 16 रद्द ट्रेनों और 11 आंशिक रूप से रद्द ट्रेनों को बहाल किया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में अधिकारियों की बैठक की और स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर की गई तैयारियों की जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों को सतर्कता और निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

ट्रंप की युद्ध विराम की घोषणा कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने का प्रयास है : पायलट

जयपुर। पहलगाम आतंकी हमला और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान के चले रहे संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप पर कांग्रेस पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सचिन पायलट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध विराम की घोषणा कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने का प्रयास है। कांग्रेस ने पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रमों के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं... पिछले 24 घंटों में घटनाओं की शृंखला तेजी से बदली है। हम इस तथ्य से हैरान हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम की घोषणा की, जो पहली बार हुआ है। कांग्रेस ने दोहराया कि देश में चल रही घटनाओं को देखते हुए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पायलट ने कहा, हम 1994 में पारित उस ऐतिहासिक प्रस्ताव को फिर दोहराना चाहते हैं।

हादसे में दंपति सहित तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाडा। राजस्थान में बांसवाडा जिले के खमेरा थाना क्षेत्र में बोलेरो जीप की टक्कर से मोटरसाईकिल पर सवार दंपति सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि खमेरा थाना क्षेत्र के नाडातोड घाटी में शनिवार देर रात हुए इस हादसे में बोलेरो जीप ने आगे चल रही मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। इससे मोटरसाईकिल पर सवार सुनील (22), उसकी पत्नी अंजू (21) तथा अंजू का भाई 13 वर्षीय कन्हैयालाल की मौत हो गयी।

बताया गया है कि मृतक सुनील एवं अंजू की छह दिन पूर्व ही शादी हुई थी। पुलिस ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोडा। पुलिस ने बोलेरो जीप को जब्त कर लिया है।

किसी भी आपदा या सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए हम पूरी तरह तैयार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को अजमेर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचीं। यहां उन्होंने जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया।

प्रतिभा सम्मान समारोह के बाद डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अजमेर और ब्यावर जिले की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों ने हिस्सा लिया। दीया कुमारी ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन के लिए प्रभावी योजनाएं लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी आपदा या सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए हम पूरी तरह तैयार रहें।

बैठक में अधिकारियों ने जिले में चल रही सुरक्षा और आपदा प्रबंधन योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने अधिकारियों से आपसी समन्वय बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से बाढ़, आगजनी और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षण और संसाधनों की उपलब्धता पर ध्यान देने को कहा।

दीया कुमारी ने अपने अजमेर दौरे को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, आज मैं अजमेर आई हूं और अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर रही हूं। इससे पहले मैंने राजपूत समाज के समारोह में हिस्सा लिया, जहां समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का अवसर मिला। यह एक बहुत ही सार्थक अनुभव रहा। मैं अजमेर की जनता से भी अपील करती हूं कि वे प्रशासन के साथ मिलकर शहर के विकास और सुरक्षा में योगदान दें।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में सीजफायर उल्लंघन के मुद्दे पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए दीया कुमारी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहूंगी, जिन्होंने जिस तरह से देश की स्थिति को संभाला और पाकिस्तान में आतंकवाद, विशेष रूप से पहलगाम में हुई घटना के खिलाफ ठोस कदम उठाए। इससे पहले प्रदेश की उप मुख्यमंत्री, मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित समारोह का हिस्सा बनीं। उन्होंने कहा, राजपूत समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को पुरस्कृत करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे इस समारोह में शामिल होने का अवसर मिला, यह मेरे लिए खुशी की बात है।

हरित ऊर्जा या अस्तित्व? राजस्थान के जंगल-आश्रित समुदाय दुविधा में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान के बारां जिले में पारिस्थितिकी दृष्टि से समृद्ध शाहबाद जंगल की सीमा पर स्थित मूंडियार गांव में एक छोटे से मंदिर में 26 वर्षीय रवि सहरिया ग्रामीणों के एक समूह के बीच चुपचाप बैठे थे। उनके जैसे आदिवासी परिवारों के जीवन के लिए महत्वपूर्ण जंगल अब खतरे में है, क्योंकि इसके 408 हेक्टेयर क्षेत्र को एक विशाल पंप-स्टोरेज परियोजना के लिए बदले जाने का प्रस्ताव है। मंदिर में आयोजित बैठक में लगभग 30 लोगों ने हिस्सा लिया। यह बैठक 'ग्रीनको एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा बनाए जा रहे 1,800 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना का विरोध करने के लिए बुलाई गई थी। जबकि केवल तीन गांव कलौनी, मुंगावली और बैंत आधिकारिक तौर पर भूमि अधिग्रहण के लिए सूचीबद्ध हैं। परियोजना आस-पास के कम से कम सात गांवों को प्रभावित करती है, जहां सैकड़ों वन-निर्भर आदिवासी और दलित परिवार रहते हैं।

इस परियोजना में कुल 624 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले दो बड़े जलाशय शामिल हैं। मुंगावली गांव के निकट कुनो नदी से पानी लिया जाएगा। हालांकि इस परियोजना से स्वच्छ ऊर्जा, विकास और रोजगार का वादा किया गया है, लेकिन स्थानीय लोगों को डर है कि इससे उनकी जीवनशैली नष्ट हो सकती है। मूंडियार में लगभग 2,500 निवासी हैं, जिनमें लगभग 400 सहरिया शामिल हैं, जो एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) है। पीढ़ियों से रवि जैसे परिवार महुआ और आंवला जैसी वन उपज इकट्ठा करके और शाहबाद के जंगल में मवेशी चराकर अपना गुजारा करते रहे हैं।

रवि ने कहा, मैं हर साल लगभग 50,000 रुपए कमाता हूं। इसमें से 40,000 रुपए जंगल से आने वाली उपज बेचने से मिलते हैं। बाकी की कमाई सत्र के दौरान चने की फसल से होती है। हम अपने बच्चों की स्कूल फीस पर ही 15,000 रुपए खर्च कर देते हैं। हाल तक उनका सात सदस्यीय परिवार झोपड़ी में रहता था। अब उनके पास प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना दो कमरों का छोटा सा घर है। उनके पास इलेक्ट्रॉनिक सामान के तौर पर सिर्फ एक मोबाइल फोन है। रवि ने कहा, यदि जंगल चला गया तो हम भी चले जाएंगे। मुझे दिहाड़ी मजदूरी का काम ढूंढने के लिए शहर जाना पड़ेगा। रवि के पास जंगल के निकट पांच बीघा जमीन है। उन्होंने कहा, मेरी जमीन अब दलालों द्वारा खरीदे गए प्लॉट से घिरी हुई है। हम सिर्फ परिवार के लिए ही गेहूं उगाते थे। अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। कोई मुझे वहां से गुजरने नहीं देगा। मुझे मजबूरी में अपनी जमीन बेचनी पड़ेगी। इस बीच कंपनी का दावा है कि मूंडियार से कोई जमीन नहीं ली जा रही है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि दलाल मौके की ताक में आदिवासियों की जमीन सस्ते दामों पर खरीद रहे हैं और बाद में उसे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं।

बारां के कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर का कहना है कि उन्हें कंपनी की ओर से कोई भूमि अधिग्रहण प्रस्ताव नहीं मिला है और न ही किसी आदिवासी भूमि हस्तांतरण की अनुमति दी गई है। कलेक्टर ने कहा कि वन अधिकारों की मान्यता एक गतिशील प्रक्रिया है और वह जांच-पड़ताल करेंगे कि क्या प्रभावित गांवों से कोई दावा अभी भी लंबित है।

पिछले साल सितंबर में 'पीटीआई' की एक खबर के अनुसार, बारां के शाहबाद-किशनगंज इलाके में 170 से अधिक कुपोषित बच्चे पाए गए थे। इनमें से कई बच्चे मूंडियार और कलौनी जैसे गांवों के थे। कलौनी के ग्राम पंचायत सदस्य बृजेश कुमार का कहना है कि इस जंगल के बिना शाहबाद दूसरा जैसलमेर बन जाएगा। उन्होंने कहा, यह हमें जीवित रखता है। अगर यह चला गया तो हम भी चले जाएंगे। वन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मेघवाल ने कहा कि उनके विभाग को कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन यदि कोई शिकायत दर्ज होती है तो वे जांच करेंगे।

'जिन लोगों ने संविधान को खारिज किया, उनके वंशज आज उसका बचाव कर रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि जिन लोगों ने संविधान को खारिज किया था, उनके वंशज आज इसका उत्सव मना रहे हैं और इसका बचाव कर रहे हैं।

थरूर ने शनिवार को अपनी पुस्तक 'अवर लिविंग कॉन्स्टीट्यूशन' के विमोचन के अवसर पर कहा कि समाज और संविधान दोनों विकसित हो रहे हैं तथा इस प्रक्रिया में हम धीरे-धीरे भारत के सामाजिक ताने-बाने में 'संवैधानिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता का समावेश' देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आज हिंदुत्व आंदोलन से जुड़े लोग संविधान के सबसे कट्टर समर्थकों और उसके रक्षकों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि यह एकमात्र पवित्र पुस्तक है। और आप ऐसी स्थिति देख रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी संविधान के प्रति समर्थन और निष्ठा की शपथ ली है और इसकी सुरक्षा की बात की है।'' उन्होंने कहा कि संघ के पुराने नेताओं ने संविधान की 'जड़ से लेकर शाखा' तक को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह गलत भाषा में लिखा गया है और इसमें पश्चिमी विचार समाहित हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने संविधान को लेकर संघ नेताओं के बदले हुए रुख के बारे में कहा, '' ...आज उनके बौद्धिक वैचारिक वंशज ही संविधान की शपथ ले रहे हैं और उसका बचाव कर रहे हैं। उनके विचार भी समय के साथ बदले हैं, समाज भी विकसित हो रहा है। फैसले बदल गए हैं, 106 संशोधनों के साथ हमारी व्याख्याएं बदल गई हैं और यही वास्तव में संविधान की ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''और मैं यह तर्क दूंगा कि इस प्रक्रिया में आप धीरे-धीरे भारत के सामाजिक ताने-बाने में संवैधानिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता का समावेश देख रहे हैं।''

तिरुवनंतपुरम के सांसद ने तर्क दिया कि हालांकि बहुत सी चीजें गलत हो गई हैं और कई चीजें बदतर हो सकती हैं, लेकिन एक चीज जो सही हो रही है उनमें से एक यह है कि संविधान के मूल्य, नैतिकता और आकांक्षाएं आम भारतीयों की चेतना में किस हद तक समा गई हैं।

पाकिस्तानियों से पूछ लेना चाहिए कि 'ब्रह्मोस' मिसाइल की ताकत क्या है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम की झलक देखने को मिली थी और अगर यह काफी नहीं है तो पाकिस्तानियों से इसके बारे में पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा।

'ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटिग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी' के उद्घाटन समारोह में योगी ने कहा, ''ब्रह्मोस मिसाइल क्या होती है? आप लोगों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत इसके पराक्रम की एक झलक देखी है। अगर नहीं देखी होगी तो कम से कम पाकिस्तानियों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।''

योगी ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि किसी भी आतंकवादी घटना को अब युद्ध माना जाएगा। आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा नहीं। इसे कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे भारत को एक स्वर में मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा।''

योगी ने कहा कि आतंकवाद एक 'कुत्ते की दुम' की तरह है जिसे कभी सीधा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''यह प्यार की भाषा मानने वाला नहीं है, उनको उसी भाषा में जवाब देने के लिए तैयार होना होगा और भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि सबसे पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारत की सेनाओं, अपने सभी बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का हृदय से अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से हृदय से बधाई देता हूं।

योगी ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति इस बात के लिए आभार जताया कि उन्होंने रक्षा उत्पादों के लिए उत्तर प्रदेश को एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाया।

योगी ने कहा, ''2018 में जब उत्तर प्रदेश ने अपना पहला निवेश सम्मेलन लखनऊ में आयोजित किया था, तब केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा हुई। प्रधानमंत्री जी ने लखनऊ में ही एक कॉरिडोर की घोषणा की। उत्तर प्रदेश में छह नोड-लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी और चित्रकूट में तय किये गये।'' उन्होंने कहा, ''2019 में केंद्र में पुन: सरकार बनने के बाद रक्षा मंत्री के तौर पर राजनाथ सिंह ने पहली बार लखनऊ में 'डिफेंस एक्सपो' आयोजित कराया और उन्होंने कहा था कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बनाने के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। ब्रह्मोस मिसाइल के लिए राज्य सरकार ने 200 एकड़ का क्षेत्र उपलब्ध कराया और अब उत्पादन का कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है।''

योगी ने रक्षा मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद राजनाथ सिंह के प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का एक प्रतिरूप भी भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है।

योगी ने कहा कि विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, '' उत्तर प्रदेश के भीतर डिफेंस कॉरिडोर के जो छह नोड विकसित हो रहे हैं इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले हमने कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला बारूद के उत्पादन केंद्र का शुभारंभ किया था। अब उसके विस्तार के लिए भी भूमि की मांग हो रही है। लखनऊ में भी ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है।

यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग सात एंकर यूनिट लग रही हैं।'' उन्होंने कहा कि 2013-14 में भारत का जो रक्षा उत्पादन था आज हम उससे कई सौ गुना ज्यादा उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं।

'इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की स्थापना के बाद स्थिति को ठीक से नहीं संभाला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक जीत और बांग्लादेश की स्थापना के बाद स्थिति को ठीक से नहीं संभाला।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि उस अवधि के राजनीतिक नेतृत्व की विफलता के कारण बांग्लादेश की स्थापना एक ऐतिहासिक अवसर था, जिसे गंवा दिया गया।

मुख्यमंत्री का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस नेता शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना कर रहे हैं कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल सैन्य हमले रोकने पर सहमत हो गए हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकने की सहमति बनी।

कांग्रेस के अलावा कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मोदी की तुलना 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान स्थिति को संभालने के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के तरीके से की है।

शर्मा ने 'एक्स' पर 'बांग्लादेश की स्थापना का मिथक : एक रणनीतिक विजय, एक कूटनीतिक मूर्खता' शीर्षक के तहत पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, भारत की 1971 की सैन्य जीत निर्णायक और ऐतिहासिक थी। इसने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में बांट दिया और बांग्लादेश की स्थापना की। हालांकि, हमारे सैनिकों ने युद्ध के मैदान में शानदार सफलता दर्ज की, लेकिन भारत का राजनीतिक नेतृत्व स्थायी रणनीतिक लाभ हासिल करने में नाकाम रहा।

शर्मा ने दावा किया कि बांग्लादेश की स्थापना को अक्सर कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जाता है, लेकिन इतिहास कुछ और ही कहानी बयां करता है। उन्होंने कहा, 1971 में भारत की सैन्य जीत के बावजूद रणनीतिक दूरदर्शिता नहीं दिखाई जा सकी। जो एक नई क्षेत्रीय व्यवस्था कायम करने का अवसर साबित हो सकता था, उसे एकतरफा उदारता तक सीमित कर दिया गया। अगर इंदिरा गांधी आज जिंदा होतीं, तो राष्ट्र उनसे हमारे सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के बाद की स्थिति को गलत तरीके से संभालने के लिए सवाल करता।

बिहार पुलिस में आठ 'ट्रांसजेंडर' समेत 21,391 कांस्टेबल की भर्ती

पटना/भाषा। केंद्रीय कांस्टेबल चयन बोर्ड (सीएसबीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि बिहार पुलिस में आठ 'ट्रांसजेंडरों' समेत 21,391 कांस्टेबलों की भर्ती की गई है। इन कांस्टेबल में से 19,958 को बिहार पुलिस और 1,433 को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बल में तैनात किया जाएगा। बोर्ड के बयान में कहा गया है, कुल 21,391 नव नियुक्त कांस्टेबल में 11,178 महिलाएं, 10,205 पुरुष और आठ ट्रांसजेंडर हैं। बयान के अनुसार, इनमें अनारक्षित श्रेणी से 8,556, अत्यंत पिछड़ा वर्ग से 3,842, अनुसूचित जाति से 3,400, पिछड़ा वर्ग से 2,570, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से 2,140, अनुसूचित जनजाति से 228 और पिछड़े वर्ग की 655 महिलाओं का चयन किया गया। भर्ती प्रक्रिया दिसंबर 2024 में शुरू हुई थी और 10 मार्च 2025 को पूरी हुई।

भाजपा ने मोदी की सराहना की, कहा:

भारत ने पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों के नियमों को फिर से लिखा है।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार को घोषणा की थी कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की। उन्होंने कहा, ''उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे।'' भारत की इस घोषणा के बाद पार्टी ने यह बयान दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा कि पाकिस्तान ने ''विनाशकारी नुकसान'' झेलने के बाद ''सहमति बनाने की गुहार'' लगाई। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में केवल 72 घंटे में भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों के नियमों को पुन: लिख दिया है।''

भंडारी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक संकल्प के साथ पाकिस्तान के ''परमाणु झांसे'' को उजागर किया, लाहौर से रावलपिंडी तक पाकिस्तानी सैन्य क्षेत्रों में भीतर तक हमला किया और मुनिरके एवं बहावलपुर में जैश और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी मुख्यालयों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ''एक स्पष्ट संदेश दिया गया है: पाकिस्तान की एक इंच जमीन भी भारत की पहुंच से बाहर नहीं है। सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान के आतंकवादी तंत्र को उजागर करके पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''ऐसे युग में जब रूस-यूक्रेन से लेकर अमेरिका-तालिबान तक के पारंपरिक युद्ध रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने में विफल रहे, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'चाणक्य नीति' अपनाई...।'' उन्होंने कहा,''यह रणनीतिक संयम नहीं है। यह रणनीतिक प्रभुत्व है और पाकिस्तानी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई खत्म नहीं हुई है।''

क्या सरकार ने कश्मीर पर अमेरिकी मध्यस्थता स्वीकार कर ली है? : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत होने की घोषणा सबसे पहले अमेरिका की ओर से किए जाने के बाद कांग्रेस ने रविवार को सरकार से सवाल किया कि क्या उसने कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार कर ली है? पार्टी ने इस मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के प्रयास की भी आलोचना की।

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष रोकने पर सहमति का ऐलान सभी के लिए आश्चर्यजनक है, क्योंकि यह पहली बार है, जब किसी तीसरे देश ने भारत और पाकिस्तान की तरफ से घोषणा की है। उन्होंने दोनों देशों को एक साथ जोड़ने के अमेरिका के प्रयास पर भी सवाल उठाया।

पायलट ने कहा कि सरकार को मौजूदा हालात में इन मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक और सर्वदलीय बैठक तथा संसद का विशेष सत्र बुलाने की विपक्ष की मांग को स्वीकार करना चाहिए।

पिछले 24 घंटे में घटनाक्रम में तेजी से आए बदलावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति के सोशल मीडिया के माध्यम से (भारत और पाकिस्तान के बीच) सैन्य संघर्ष रोकने पर सहमति बनाने की घोषणा किए जाने से हम सभी हैरान थे।

पायलट ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच के मुद्दों का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास किया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को राष्ट्र और सभी पक्षों को विश्वास में लेते हुए स्पष्टीकरण देना चाहिए।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमत हो गए हैं।

पायलट ने सवाल किया, किन शर्तों पर सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा की गई है और क्या गारंटी है कि ऐसी चीजें दोबारा नहीं होंगी, क्योंकि कल की घटनाओं (उल्लंघन) के बाद कोई विश्वसनीयता नहीं बची है। हम उन पर कैसे विश्वास कर सकते हैं और क्या गारंटी है कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कश्मीर पर जो लिखा है, उस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए और सरकार को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा, कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और मेरा मानना है कि इसका अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि 1994 में संसद ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था।

पायलट ने कहा, इसे दोहराने का समय आ गया है और यह संदेश दुनियाभर में जाना चाहिए कि पूरा देश एकजुट है। उन्होंने कहा, (संसद का) विशेष सत्र बुलाया जाए और 1994 के प्रस्ताव को फिर से अपनाया जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि किसी तीसरे पक्ष का दखल स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है और अमेरिका सहित किसी भी देश के लिए द्विपक्षीय मुद्दे में हस्तक्षेप करने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति बहुत स्पष्ट है, जिसमें मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है।

पायलट ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार को सभी दलों और लोगों से अभूतपूर्व समर्थन मिला। उन्होंने कहा, मैं सरकार से तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करता हूं। हमारे सैनिकों और सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए जो कार्रवाई की, उस पर हम सभी को गर्व है।

पायलट ने कहा कि अमेरिका की ओर से सोशल मीडिया पर की गई घोषणा के बाद कई सवाल उठे हैं।

हमारी तेज गेंदबाज चोटिल होती रहती हैं, इस पर काम करने की जरूरत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रविवार को अपनी तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सहयोगी स्टाफ एकदिवसीय विश्व कप से पहले इस समस्या का समाधान करने की कोशिश कर रहा है।

हरमनप्रीत ने त्रिकोणीय एकदिवसीय शृंखला के फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 97 रन की जीत के बाद यह बात कही।

पुरस्कार वितरण समारोह में हरमनप्रीत ने कहा, ''मुझे पूरी टीम पर गर्व है, विशेषकर बल्लेबाजों पर। हम अच्छा क्रिकेट खेलना चाहते थे। हम टॉस जीतने पर पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे और हमने जिस तरह का खेल दिखाया उससे हम काफी खुश हैं।''

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर श्रीलंका को 245 रन पर ढेर कर दिया।

उपकप्तान स्मृति मंधाना दिन की सबसे बड़ी स्टार रहीं जिन्होंने शानदार शतक जड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई जिसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, अमनजोत कौर और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ियों ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हम कभी भी सुधार करना बंद नहीं कर सकते। बहुत सारे विभाग हैं जहां हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण। हमारी तेज गेंदबाज चोटिल होती रहती हैं। यह ऐसी चीज है जिसका हमें ध्यान रखना होगा। कोच इस पर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''स्मृति और मेरे अलावा अन्य बल्लेबाजों ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह बहुत सकारात्मक था। स्नेह राणा ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह भी बहुत सकारात्मक था। बात करने के लिए बहुत सारी सकारात्मक बातें हैं लेकिन अभी मैं इस पल का आनंद लेना चाहती हूं। ''

स्नेह को 15 विकेट लेने के लिए शृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया जबकि मंधाना को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

संघर्ष विराम की घोषणा के बाद पोंटिंग विमान से उतरे, विदेशी खिलाड़ियों को प्रेरित किया

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग स्वदेश के लिए उड़ान भरने ही वाले थे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया और वह अंतिम समय में विमान से उतर गए।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के पास ऑस्ट्रेलिया वापस जाने का विकल्प था लेकिन उन्होंने उतरने का फैसला किया।

पोंटिंग दिल्ली में ही रुके और उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पंजाब किंग्स के विदेशी खिलाड़ी शनिवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान नहीं भरें जो दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच युद्ध की संभावना को देखते हुए चिंतित थे।

खिलाड़ी भारत लौटने को लेकर आश्वस्त थे क्योंकि आईपीएल के एक हफ्ते बाद शुरू होने की संभावना थी।

पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश मेनन ने विश्व कप विजेता कप्तान द्वारा विदेशी खिलाड़ियों के पूरे ग्रुप से की गई प्रेरणादायी बातचीत का जिक्र करते हुए पीटीआई से कहा, ''यह पोंटिंग का व्यक्तित्व दर्शाता है। केवल वही ऐसा कर सकते थे। उन्होंने स्वेच्छा से रुकने का ही फैसला नहीं किया बल्कि उन विदेशी खिलाड़ियों को प्रेरित किया जो अपने गंतव्य के लिए रवाना हो चुके थे, लेकिन अब जल्द से जल्द टीम में शामिल होंगे। ''

आईपीएल का आठ मई को मैच रद्द होने के बाद धर्मशाला से दिल्ली तक की ट्रेन यात्रा करने वाले खिलाड़ियों के ग्रुप में मार्कस स्टोइनिस, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस और जेवियर बार्टलेट (सभी ऑस्ट्रेलिया से) शामिल थे।

सिक्किम में नई रेलवे लाइन बिछेगी, केंद्र ने अंतिम सर्वेक्षण के लिए मंजूरी दी

गुवाहाटी/भाषा। सिक्किम में मेली से डेंटम तक जोरथांग और लेगशिप के रास्ते नई रेलवे लाइन बिछाने के लिए अंतिम सर्वेक्षण को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

इस सर्वेक्षण को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा 2.25 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा।

यह निर्णय सिक्किम के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में रेल संपर्क का विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रस्तावित मार्ग का उद्देश्य एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करना है जो भारत-नेपाल सीमा के पास चिवाभंजयांग में स्थित डेंटम जैसे दूरदराज के शहरों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है।

शुरुआती सर्वेक्षण के तहत नए रेल मार्ग की लंबाई 75 किलोमीटर होगी और यह निर्माणाधीन सिवोक-रंगपो रेलवे परियोजना का विस्तार कर बिछाई जाएगी। सिवोक-रंगपो रेलवे परियोजना के 2027 तक चालू होने की उम्मीद है।

दक्षिणी और पश्चिमी सिक्किम के लिए एक प्रमुख केंद्र मेली प्रस्तावित विस्तार के लिए जंक्शन के रूप में काम करेगा।

शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि सर्वेक्षण को लेकर संबंधित कार्य निविदाएं जल्द ही जारी होने की उम्मीद है।

सुरक्षाबलों के साथ खड़े होने का समय : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव और नियंत्रण रेखा पर मौजूदा हालात के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को राजनेताओं से रक्षा संबंधी पृष्ठभूमि का इस्तेमाल फोटो खिंचवाने के अवसर के रूप में करने से बचने की अपील की। सपा प्रमुख ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि वर्तमान के अति संवेदनशील माहौल में 'प्रतिरक्षा-सुरक्षा' और भी अधिक गंभीर विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञों से आग्रह है कि कृपया इसे फोटो बैकग्राउंड अथवा सेल्फी प्वाइंट न बनाएं। ये आत्म-प्रदर्शन के लिए अकेले खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने की बजाय सैन्य बलों के साथ खड़े होने का समय है। हालांकि यादव ने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधने के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने लखनऊ में एक कार्यक्रम में ब्रह्मोस मिसाइल के सामने फोटो खिंचवाई थी।

सुविचार

फूलों की सुगंध हवा की दिशा में ही फैलती है। लेकिन, एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत का दमदार जवाब

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को सबक सिखाकर बड़े उद्देश्यों को प्राप्त किया है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई 'सीज फायर' संबंधी घोषणा के बाद लोगों के मन में कुछ नाराजगी भी है कि जब हमारी सेनाएं 'लड़ाई' जीत रही थीं तो अचानक यह फैसला नहीं लेना चाहिए था। ऐसा सोचना स्वाभाविक है। हर राष्ट्रवादी चाहता है कि पाकिस्तान को उसकी हरकतों का भरपूर दंड मिले, बलोचिस्तान या पीओके को उससे अलग किया जाए। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान का इलाज किसी एक ऑपरेशन से नहीं किया जा सकता। इसके लिए विभिन्न चरणों के तहत आगे बढ़ना होगा। हम यह बात भलीभांति जानते हैं कि पाकिस्तान किसी भी सीज फायर, संधि या समझौते का सम्मान नहीं करेगा। वह ऐसी हरकत जरूर करेगा, जिसके बाद उसे दंडित करने के लिए भारत के पास पुख्ता वजह होगी। जहां तक पाकिस्तान से बलोचिस्तान या पीओके को अलग करने और उसकी फौज को वर्ष 1971 जैसी शिकस्त देने का सवाल है तो उसके लिए बहुत बड़े स्तर पर युद्ध की जरूरत होगी। सरकार को कई बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए फैसला लेना होता है। पहले, रूस-यूक्रेन युद्ध को देख लें, जो अब तक खत्म नहीं हुआ है। इजराइल-हमास की भिड़ंत जारी है। क्या ऐसे समय में पाकिस्तान को कठोर दंड देने के लिए युद्ध ही एकमात्र विकल्प है? क्या हम युद्ध के आर्थिक, सामाजिक नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हैं? आज कई ताकतें चाहती हैं कि भारत जल्दबाजी में युद्ध में कूदे और उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो जाए। युद्ध करना किसी मोबाइल गेम को खेलने जैसा नहीं होता है।

मौजूदा हालात को देखते हुए भारत को राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, सामाजिक तौर पर मजबूत रहना चाहिए और 'लड़ाई' लंबी खींचनी चाहिए। पाकिस्तान के होश ठिकाने लगाने के लिए जरूरी नहीं कि हम परंपरागत ढंग से ही युद्ध करें। याद करें, अमेरिका ने सोवियत संघ के टुकड़े करने के लिए क्या किया था? हमें एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी मजबूत करते हुए ऐसे इंतजाम करने होंगे कि पाकिस्तान में अंदरूनी दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाए। जब पाकिस्तानी फौजी को मिलने वाली 15 रुपए की रोटी 150 रुपए की पड़ने लगेगी तो यह पड़ोसी देश ताश के महल की तरह धराशायी हो जाएगा। बस, जरूरत इस बात की है कि पाकिस्तान की अच्छी तरह से घेराबंदी की जाए। भारत के पास विकल्पों की कमी नहीं है। अभी तो सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने का असर होना बाकी है। इस साल मानसून अच्छा रहने का अनुमान है। जब अगस्त में झमाझम मेघ बरसेंगे और भारत अपने लबालब भरे बांधों के गेट खोलेगा तो उनकी गूंज इस्लामाबाद से लेकर कराची तक सुनाई देगी। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने जो कार्रवाई की, उससे पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ है। उसके सौ से ज्यादा आतंकवादी ढेर हुए, जिनमें दर्जनभर तो बहुत कुख्यात आतंकवादी थे। पाकिस्तान के लगभग 40 फौजी मारे गए। हमारी वायुसेना ने पाक के एयर डिफेंस सिस्टम उड़ा दिए। उसके सभी हवाई हमलों को नाकाम कर दिया। लश्कर और जैश के गढ़ बर्बाद कर दिए। पाकिस्तान ने ऐसी कार्रवाई की कल्पना भी नहीं की थी। इस समय हमें दुगुने उत्साह के साथ तैयारी करनी चाहिए। सरकार और सशस्त्र बल ऑपरेशन सिंदूर के हर पक्ष की समीक्षा करें और भविष्य के लिए ज्यादा असरदार रणनीति बनाएं। मॉक ड्रिल और अन्य तैयारियां जारी रखें। देशवासी एकजुट रहें। हमें न तो अति-उत्साहित होना है और न ही ढिलाई बरतनी है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई को भारत जीत रहा है, हम सब जीत रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

'आपरेशन सिंदूर' सिर्फ़ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्रीने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के ख़िलाफ़ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ़ प्रभावी कारवाई करता है।

-राजनाथ सिंह

अजमेर में श्री क्षत्रिय प्रतिभा विकास एवं शोध संस्थान द्वारा आयोजित 24वें 'क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह' में सम्मिलित हुई। इस अवसर पर शिक्षा खेल सहित विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

-दीया कुमारी

सिख धर्म के तृतीय गुरु, श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनकी अमूल्य शिक्षाएं और पुण्य विचार युगों-युगों तक हम सभी को सद्मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करते रहेंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मदद से ईश्वर की प्राप्ति

अबु-बिन नितांत साधारण प्राणी था, पर उसे ईश्वर पर अटूट विश्वास था। एक रात सोते समय अबु-बिन के पास सपने में अकस्मात स्वर्गलोक का एक दूत आया। वह एक सूची तैयार कर रहा था। अबु ने उससे पूछा- 'भाई! तुम किसकी सूची तैयार कर रहे हो?' स्वर्ग के देवदूत ने उत्तर दिया, 'मैं उन भले लोगों की सूची बना रहा हूं, जो ईश्वर को अत्यन्त प्रिय हैं।' अबु बोला, 'भाई! तो मेरा नाम तो इस सूची में शायद ही मिले, क्योंकि मैंने तो कभी भूलकर भी ईश्वर-स्मरण, पूजा अथवा उसका ध्यान नहीं किया।' देवदूत हंसा और मुस्कराते हुए उसने वह सूची अबु के सामने रख दी। अबु ने देखा कि उस सूची में उसका नाम प्रथम स्थान पर स्वर्णाक्षरों में दमक रहा है। देवदूत अबु को गदगद हुआ देखकर बोला, 'अबु! भगवान सबसे ज्यादा प्यार उसे करते हैं, जो उसके बनाये हुए इनसानों को प्यार करता है। जिंदगी हमें नित्य दूसरों की मदद करने का मौका देती है। जब हम अनजान लोगों की मदद करते हैं, तो हम प्रभु के बच्चों की मदद करते हैं। अज्ञात मनुष्य से प्रेम करना भगवान को प्राप्त करना है।'

सामयिक

नर्स की एक मुस्कुराहट हर लेती है हर पीड़ा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

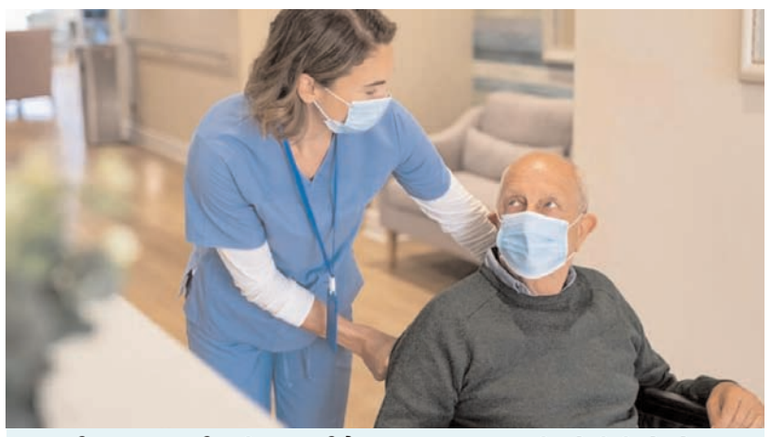

नर्स का काम ईश्वरीय कार्य है। वह अस्पताल की ओपीडी से लेकर जनरल वार्ड, आप्रेशन थियेटर हर जगह दिन-रात सेवा करती हैं। नर्सिंग एक सेवाभाव का कार्य है जिसमें रोगी का उपचार कर उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखा जाता है। एक अच्छी नर्स केवल मरीज का उपचार ही नहीं करती है, वह उसे स्वस्थ्य होने का भरोसा दिलाकर मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत करने का कार्य भी करती है।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 12 मई को मनाया जाता है। यह दिवस स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सों के योगदान को सम्मानित करने तथा उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए मनाया जाता है। यह दिन हमारे लिए नर्सों कि कड़ी मेहनत, लंबे घंटों और भावनात्मक दबाव को स्वीकार करने का एक अवसर है जो हर नर्स के जीवन का हिस्सा है। स्वास्थ्य सेवा में नर्स की महत्वपूर्ण भूमिका हैं और यह डॉक्टर और रोगी के बीच सबसे आवश्यक कड़ी हैं। नर्सें ही मरीजों की ज़रूरतों को पूरा करती हैं। दिन हो या रात, उनके चेहरे पर हर समय मुस्कराहट देखी जा सकती है जो मरीजों के लिए सम्बल का काम करती है। इसीलिए नर्सों के बारे में कहा जाता है उनकी एक प्यारी सी मुस्कान कठिन से कठिन मुश्किल को आसान कर देती है। वैसे अस्पताल में कार्यरत सभी लोगों जैसे, डॉक्टरों, नर्सों व अन्य कर्मचारियों के होठों पर हमेशा मुस्कान होनी चाहिए।

मानवता की सेवा के लिए नर्सिंग जॉब को सबसे बेहतर माना जाता है। वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच नर्सिंग कर्मियों का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज को स्वस्थ रखने में नर्सिंग कर्मियों की अहम भूमिका है। कोरोना जैसे संकट में परिजन और घर की चिंता के बावजूद पूरे उत्साह के साथ मरीजों की सेवा में नर्सिंग कर्मी लगे रहे। कोरोना की पहली, दूसरी और तीसरी लहर से जहां चारों तरफ स्वास्थ्य सेवा चरमरा चुकी थी और कहीं ऑक्सीजन की कमी तो कहीं बेड नहीं मिल रहे थे ऐसे में नर्सिंग स्टाफ ही था जिसे सब को संभालना पड़ता था। मरीज को एडमिट करने से लेकर डिस्चार्ज करने के दौरान उनकी सेवाएँ महत्वपूर्ण और अमूल्य रही हैं। कहते है चिकित्सक की अपेक्षा नर्स मरीज की बेहतर सेवा करती है। चिकित्सक मरीज को देखकर पर्ची पर दवा आदि लिखकर चला जाता है मगर नर्स हर समय मरीज के पास होती है और उसकी बेहतर देखभाल करती है जिससे मरीज शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करता है। नर्स की यही सेवा भावना मरीज और उसके परिजन याद रखते है। इसीलिए यह कहा जाता है नर्सिंग कोई व्यवसाय नहीं बल्कि एक सेवा है। जिस प्रकार से परिजन दुख की घड़ी में अपने बीमार व्यक्ति की रक्षा करते है उसी प्रकार से नर्स भी मरीजों की बीमारी के समय सेवा देती है। मरीजों की सेवा करना बहुत बड़ी समाज सेवा है। सेवा भाव से हर व्यक्ति का दिल जीता जा सकता है। अस्पतालों में मरीज देखने के बाद डॉक्टर का काम ज्यादातर खत्म हो जाता है। उसके बाद भर्ती मरीज की सेवा नर्सें ही करती हैं। सबसे ज्यादा समय नर्सें ही मरीज को देती हैं। इसलिए नर्सों को अपने अंदर सेवा भावना जागृत रखनी चाहिए। जिस प्रकार घर में मां बच्चे की देखभाल करती है ठीक उसी तरह अस्पताल में नर्स मरीज की सेवा कर उसकी बीमारी के इलाज में अहम भूमिका अदा करती है। मरीज के साथ नर्स का सकारात्मक रवैया उसके आधे दुख काट देता है। नर्स का काम ईश्वरीय कार्य है। वह अस्पताल की ओपीडी से लेकर जनरल वार्ड, आप्रेशन थियेटर हर जगह दिन-रात सेवा करती हैं। नर्सिंग एक सेवाभाव का कार्य है जिसमें रोगी का उपचार कर उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखा जाता है। एक अच्छी नर्स केवल मरीज का उपचार ही नहीं करती है, वह उसे स्वस्थ्य होने का भरोसा दिलाकर मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत करने का कार्य भी करती है। उसकी सेवा भवना सबके लिए एक समान ही होती है। कई बार देखा जाता है अस्पताल में किसी न किसी बात पर मरीज के परिजन नर्सों से भीड़ जाते है और मारपीट तक कर बैठते है। यह अच्छी बात नहीं है। इस बारे में दोनों पक्षों को सूझभूझ से काम लेकर अप्रिय स्थिति को टालना चाहिए ताकि अच्छी से अच्छी सेवा के साथ मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौटे।

चिंतन

संयुक्त परिवार : जीवन की सजीव पाठशाला

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

आज जब समाज तेजी से एकल परिवारों की ओर अग्रसर हो रहा है, ऐसे समय में संयुक्त परिवारों का महत्व फिर से समझना अत्यंत आवश्यक हो गया है। संयुक्त परिवार केवल एक छत के नीचे कई पीढ़ियों का साथ नहीं होता, बल्कि यह जीवन के वास्तविक पाठों की एक सजीव पाठशाला होता है, जहाँ हर दिन कुछ नया सिखने को मिलता है - बिना किसी पाठ्यक्रम और परीक्षा के। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहन और बच्चे सभी मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं जहाँ रिश्तों की गर्माहट, आपसी सहयोग और जीवन के मूल्यों का सहज अभ्यास होता है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चे केवल किताबों से नहीं, अनुभवों और संबंधों से सीखते हैं। वे बड़ों का सम्मान करना, छोटों से स्नेह करना, कठिनाइयों में धैर्य रखना और खुशियों को मिलकर बाँटना, ये सब आचरण अपने आप सीख जाते हैं।

संयुक्त परिवार बच्चों के लिए संस्कारों की पहली पाठशाला होता है। जब बच्चा देखता है कि उसके पिता अपने माता-पिता को आदर देते हैं, चाचा अपने भतीजे को लाड़ करते हैं, और दादी सबको भोजन पर बुलाकर मिल-बैठने का आग्रह करती हैं - तो वह बिना किसी औपचारिक शिक्षा के जीवन के मूल्यों को आत्मसात करता है। उसे यह समझ आता है कि केवल 'मैं' नहीं, 'हम' का भाव ही समाज और जीवन का आधार है। संयुक्त परिवार में रोज़ कुछ न कुछ ऐसा होता है जो हमें सहनशील बनाता है। कभी किसी की पसंद का खाना नहीं बना, तो कभी किसी की नींद बच्चों की शरारत से टूट गई - लेकिन परिवार इन छोटी-मोटी बातों को नज़रअंदाज़ करना, माफ़ करना और सबके लिए सोचना सिखाता है। यह जीवन में आगे चलकर एक व्यक्ति को हर परिस्थिति में संयमित और समझदार बनाता है।

संयुक्त परिवार उस समय भी एकजुट खड़ा रहता है जब जीवन में समस्याएँ आती हैं। किसी सदस्य की बीमारी हो या आर्थिक संकट - पूरा परिवार एक टीम की तरह काम करता है। वहाँ एक-दूसरे की कमजोरी को ढँकने और ताकत को आगे बढ़ाने की परंपरा होती है। यह भावनात्मक सुरक्षा और मानसिक मजबूती की ऐसी नींव रखता है जिसे कोई संस्थान नहीं दे सकता।

संयुक्त परिवारों में घर की जिम्मेदारियाँ बंटती हैं, लेकिन खुशी दुगनी हो जाती है। त्योहारों की रौनक, शादियों की चहल-पहल और रोज़मर्रा की बातचीत - यह सब एक ऐसा सामाजिक और भावनात्मक संबल प्रदान करता है, जो अकेलेपन और अवसाद के खतरे को बहुत हद तक दूर कर देता है। यही कारण है कि संयुक्त परिवारों में पलने वाले बच्चे सामाजिक रूप से अधिक आत्मविश्वासी और भावनात्मक रूप से अधिक संतुलित होते हैं।

आज के दौर में, जब भागदौड़, करियर की दौड़ और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता दी जा रही है, तब संयुक्त परिवारों का ढाँचा टूटता जा रहा है। एकल परिवारों में सुविधाएँ तो अधिक हैं, परंतु सामाजिक शिक्षा और संबंधों की गहराई की कमी भी उतनी ही तीव्र है। बुज़ुर्ग अकेलेपन से जूझ रहे हैं, और बच्चे भावनात्मक पोषण के अभाव में डिजिटल दुनिया के गुलाम बनते जा रहे हैं।

समस्या यह नहीं कि लोग एकल परिवारों में रह रहे हैं, बल्कि यह है कि संयुक्त परिवार के मूल्यों को छोड़ते जा रहे हैं। अगर हम अपने परिवार के बुज़ुर्गों से जुड़ाव बनाए रखें, बच्चों को उनके साथ समय बिताने दें, और 'मैं' से ऊपर 'हम' को स्थान दें - तो चाहे हम एक ही घर में न भी रहें, संयुक्त परिवार की आत्मा फिर भी ज़िंदा रह सकती है।

संयुक्त परिवार केवल रहने का ढाँचा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। यह एक ऐसी 'यूनिवर्सिटी' है जहाँ कोई डिग्री नहीं मिलती, पर जो सीख मिलती है, वह व्यक्ति को एक बेहतर इंसान बनाती है। आज जब समाज सामाजिक विघटन और मानसिक तनावों से जूझ रहा है, तब संयुक्त परिवार एक समाधान बनकर उभर सकता है। यह समय है, जब हम फिर से इस परंपरा की ओर लौटें - आधुनिकता के साथ उसका संतुलन बनाकर - ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ केवल सफल नहीं, संस्कारी भी बन सकें।

नजरिया

दयाभाव की जीवित प्रतिमूर्ति थे महात्मा बुद्ध

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा।

श्वेता गोयल

मोबाइल : 9034304041.

हर साल वैशाख मास की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को मनाई जा रही है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया।

सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, ''यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?''

सारथी ने बताया, ''यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है।''

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है।

सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे।

सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध' कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संवेदना

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा रविवार को राजौरी में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के निवास पर उनके परिवार के सदस्यों को संवेदना व्यक्त करते हुए।

भारतीय सशस्त्र बलों और भारत की कूटनीति की जीत हुई: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर सहमति बनने के बाद विशेषज्ञों ने कहा कि यह भारतीय शस्त्र बलों की जीत है और उम्मीद है कि इस समझौते के बाद पाकिस्तान कोई और मुद्दा नहीं खड़ा करेगा। चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी व सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनी थी। इन हमलों के बाद दोनों देश पूर्ण युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने घोषणा करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने शनिवार दोपहर को बातचीत के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति व्यक्त की तथा अगली वार्ता 12 मई को दोपहर 12 बजे निर्धारित की गई है। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए दावे के तुरंत बाद की गई। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच हुई वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला लिया गया।

सामरिक मामलों के विशेषज्ञ मेजर जनरल पी. के. सहगल (सेवानिवृत्त) ने सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की सहमति को दोनों देशों के लिए बहुत अच्छी शुरुआत बताया, क्योंकि बढ़ते तनाव के परिणामस्वरूप दोनों देशों को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, हमने आतंकवाद की कमर तोड़ दी है। भारत ने दिखा दिया है कि हमारे पास बहुत मजबूत और निर्णायक नेतृत्व मौजूद है।'' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पिछले 11 वर्ष में भारत ने वायु रक्षा को मजबूत बनाने तथा सेना की क्षमताओं, योग्यता और पेशेवर तैयारियों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए काफी धन खर्च किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने उन्हें सभी साधन व ताकत प्रदान की है, जो आधुनिक युद्ध जीतने के लिए आवश्यक हैं।

सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ने कहा कि इसके अलावा, तीनों सेवाओं की एकजुटता व समन्वय बिल्कुल स्पष्ट था। उन्होंने रक्षा, विदेश और गृह मंत्रालयों के सामंजस्य को शानदार बताया। उन्होंने कहा, आप सभी ताकतों के तालमेल के बिना आधुनिक युद्ध नहीं जीत सकते। उन्होंने यह भी कहा कि सात मई को ऑपरेशन सिंदूर से पहले की कार्रवाइयों ने पाकिस्तान को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया था और जब पूरी दुनिया भारत के पीछे खड़ी थी, तो देश सशस्त्र बलों के पीछे खड़ा था।

अमेरिका, चीन के बीच शुल्क वार्ता का दूसरा दिन शुरू, फिलहाल सफलता नहीं

जिनेवा/एपी। अमेरिका और चीन ने रविवार को शुल्क वार्ता फिर से शुरू की, लेकिन ऐसा लग रहा है कि बातचीत की वर्तमान स्थिति को लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग विचार हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ''बड़ी प्रगति'' हो रही है। दोनों पक्ष जिनेवा में चर्चा के दूसरे और अंतिम दिन बातचीत कर रहे हैं।

बीजिंग ने अभी तक सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन इसकी आधिकारिक समाचार एजेंसी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि चीन ''किसी भी ऐसे प्रस्ताव को दृढ़ता से खारिज करेगा, जो मूल सिद्धांतों से समझौता करने का दबाव बनाता हो या वैश्विक समानता के व्यापक उद्देश्य को कमजोर करता हो।''

फिर भी, ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ''बड़ी प्रगति'' हो रही है। उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी बहुत कम जानकारी दी। वार्ता को गुप्त रखा गया है और शनिवार को वापस जाते समय दोनों पक्षों ने पत्रकारों से कोई बातचीत नहीं की।

इस बातचीत का मकसद दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को नुकसान पहुंचाने वाले विवाद को कम करना है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर चीन के

वाइस प्रीमियर ही लाइफेंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत कर रहे हैं।

इस बातचीत से कोई बहुत बड़ा नतीजा सामने आने की उम्मीद कम है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि दोनों देश भारी भरकम शुल्क में कटौती कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो इससे दुनिया भर के वित्तीय बाजारों और अमेरिका-चीन व्यापार पर निर्भर कंपनियों को राहत मिलेगी।

आयात पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद चीन ने भी जवाबी कदम उठाए और दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध जैसी स्थिति बन गई।

ट्रंप के शुल्क लगाने के बाद अप्रैल में चीन ने भी जवाब में अमेरिका पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अब चीन के खिलाफ अमेरिका का शुल्क 145 प्रतिशत है जबकि अमेरिका पर चीन ने 125 प्रतिशत शुल्क लगा रखा है।

मातृ दिवस: महिलाएं जो कूड़ा बीनती हैं, परिवार चलाती हैं, पृथ्वी की रक्षा करती हैं

नई दिल्ली/भाषा। मातृ दिवस के दिन जब पूरे देश में मातृत्व के उपलक्ष्य में उपहार, कार्ड और शुभकामनाएं दी जा रही हैं, दिल्ली के विशाल शहरी क्षेत्र की गलियों में रहने वाली चार महिलाएं अपने दिन की शुरुआत आराम से नहीं, बल्कि अपने बच्चों, अपने समुदाय और (पृथ्वी) ग्रह के प्रति जिम्मेदारी के साथ करती हैं। ज्योति, रेशमा, अनीता और शगुफा नामक ये महिलाएं राजधानी की अलग-अलग झुग्गी बस्तियों में रहती हैं और कूड़ा बीनती हैं। लेकिन वे जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के काम में जुटी हैं। वे अथक परिश्रम करती हैं, लेकिन शायद ही उन्हें कभी पहचान की दरकार होती है और शायद ही कभी सुर्खियों में आती हैं। पुनर्चक्रण योग्य कूड़े को छांटने और एकत्र करने से लेकर घर-घर जाकर जागरूकता फैलाने और घरेलू हिंसा के पीड़ितों तक पहुंचने तक, शहर के विकास में उनका योगदान माताओं के रूप में उनकी भूमिका की तरह ही अथक है।

विवेकानंद कैंप में रह रही तथा पर्यावरण संबंधी संगठन चिंतन में काम करने वाली ज्योति ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं रोज तड़के चार बजे जग जाती हूं। खाना पकाती हूं, लंचबॉक्स तैयार करती हूं। अपने बच्चों को स्कूल पहुंचाती हूं और फिर काम पर चली जाती हूं।''

हालांकि, ज्योति का दिन कूड़ा बीनने के काम तक ही सीमित नहीं रहता। वह दोपहर का समय अपने बच्चों को स्कूल से लाने और उन्हें ट्यूशन भेजने में बिताती है। उसकी शाम घर के काम निपटाने में ही बीतती है।

ज्योति ने कहा, ''तड़के चार बजे से रात 10 बजे तक मैं रुकती नहीं हूं। रविवार ही एकमात्र दिन है जब मैं अपने बच्चों के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी लेती हूं।'' पर्यावरण अनुसंधान और कार्रवाई संगठन चिंतन, ज्योति जैसी महिलाओं को समुदाय-आधारित कार्यों में शामिल करता है। उनमें से कई अपने पड़ोस में घर-घर जाती हैं, वे न केवल अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर जागरूकता फैलाती हैं, बल्कि घरेलू हिंसा, अन्याय या चिकित्सा संकट का सामना करने वाली महिलाओं की मदद भी करती हैं।

भलस्वा डेयरी झुग्गी में रहने वाली 41 वर्षीय रेशमा ने कहा कि वह भी ऐसी ही जिम्मेदारियों को निभाती हैं, लेकिन उन्हें किसी साथी का सहयोग नहीं मिलता। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरे पति ने मुझे बहुत पहले छोड़ दिया। मैंने अपने पांच बच्चों को अकेले ही पाला है।'' उन्होंने यह भी कहा कि उनके केवल दो बच्चे ही स्कूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब वह चिंतन की परियोजनाओं में लगी होती हैं तो वह कूड़ा बीनने का कोई अन्य काम नहीं करती हैं। वह हाल ही में कम आय वाले घरों में 'अंदर का तापमान' कम करने के लिए 'हीट सॉल्यूशंस' पहल का भी हिस्सा थीं। रेशमा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मैंने छतों को सफ़ेद रंग से रंगवाया और घरों को ठंडा करने के लिए बांस और जूट की चादरों का इस्तेमाल किया। मैंने 70 से 80 घरों के लिए ऐसा किया है। मैं केवल तभी छुट्टी लेती हूं जब मेरा कोई बच्चा बीमार हो। अन्यथा, मैं काम करती रहती हूं।''

मातृ दिवस जैसे दिन पर किसी भी उपहार, कार्ड या प्रशंसा के बिना, ये महिलाएं बहुत अलग जीवन जीती हैं। इसके बजाय उनके पास जो बचता है वह है धैर्य, त्याग और शांति।

निजामुद्दीन के झुग्गी क्षेत्र में रह रही और इसी तरह का काम करने वाली वाली अनीता (40) ने कहा, ''मेरे छह बच्चे हैं। उनमें से तीन स्कूल जाते हैं।''

अनीता के पति ने उन्हें 15 साल पहले छोड़ दिया था और तब से वह अकेले ही अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं।

चिंतन के साथ उनके काम में सामुदायिक सर्वेक्षण, प्लास्टिक कचरा संग्रह और जागरूकता अभियान शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम इलाके की महिलाओं से बात करते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं। हम स्वास्थ्य, पर्यावरण और सुरक्षा के बारे में भी बात करते हैं।

वो बोला 'मोदी को बोलो!', कंगना ने विस्फोटक वीडियो से दिया जवाब- 'ले, बता दिया!'

नई दिल्ली/एजेन्सी

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान तथा पीओके स्थित नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त कर दिया। इसके बाद से बौखलाया पाकिस्तान भारत पर ड्रोन और मिसाइलों के जरिए हमला कर रहा है। वहीं भारतीय सेना बड़ी बहादुरी से उनके मंसूबों को नाकाम कर रही है। इस बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दर्द है, जज्बात हैं और दुश्मनों को दिया जवाब है। दरअसल, पहलगाम हमले के दौरान आतंकवादियों ने एक महिला को यह कहते हुए जिंदा छोड़ दिया था, 'जाओ और मोदी को बता देना'। कंगना ने इसका जोरदार जवाब वीडियो के जरिए जाहिर किया है।

कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की। वीडियो की शुरुआत में पहलगाम हमले में एक बदहवास पत्नी का दर्द सुनाई देता है। वो महिला कहती है, ''जिस बंदे ने मेरे पति को मारा था, वह वहीं जा रहा था... मैंने उसको बोला मुझे भी मारो... तो उसने हमें नहीं मारा, उसने बोला- 'मोदी को बोलो', ये कहकर चला गया वहां से।'' इसके बाद वीडियो में लिखा आता है, 'ले बता दिया', इसके बाद वीडियो में मिसाइल दागने, धमाके जैसे विजुअल्स आते हैं। वीडियो में पीएम मोदी का आतंक के खिलाफ सख्त रवैया भी देखने को मिलता है। इसके अलावा, पीड़ित परिवार के परिजनों की खुशी भी दिखाई गई है। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'मोदी ने सुन लिया'। इसके आगे उन्होंने हैशटैग ऑपरेशन सिंदूर का इस्तेमाल किया। कंगना सोशल प्लेटफॉर्म पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगातार पाकिस्तान पर हमलावर हैं। शुक्रवार को ही उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पाकिस्तान से जुड़ी एक न्यूज शेयर कर पड़ोसी मुल्क को कॉकरोच और घिनौना बताया था। कंगना रनौत ने लिखा, 'खूनी कॉकरोच... खौफनाक, आतंकवादियों से भरा घिनौना देश... दुनिया के नक्शे से ही मिटा देना चाहिए।'

दौरा

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती रविवार को बारामुल्ला के सलामाबाद में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा की गई गोलाबारी के बाद नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा करती हुई।

मदर्स डे पर रानी चटर्जी ने मां से किया वादा, 'हर वो खुशी दूंगी जो आपने हमारे लिए छोड़ दी'

मुंबई/एजेन्सी

मदर्स डे का दिन हर किसी के लिए खास होता है, लेकिन कुछ रिश्ते इतने गहरे होते हैं कि शब्द उनके लिए कम पड़ जाते हैं। मां का आंचल हर दर्द को समेट लेता है और बिना कुछ कहे वह हर खुशी तुम्हारे आगे रख देती है। बचपन की लोरी से लेकर जिंदगी की सबसे बड़ी सीख तक, मां हर कदम पर साथ होती है। ऐसे ही जज्बात इस मदर्स डे पर भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया के जरिए बयां किए। मदर्स डे के खास मौके पर रानी चटर्जी ने अपनी मां के साथ कुछ खूबसूरत और भावनाओं से भरी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जो दिल को छू लेने वाली हैं। पहली तस्वीर में रानी अपनी मां को पीछे से गले लगाती हुई नजर आ रही हैं। उनकी आंखों में सुकून और चेहरे पर एक प्यारी मुस्कान है। उनकी मां गुलाबी रंग के सूट में बेहद सरल नजर आ रही हैं, जबकि रानी ने लाइट ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है। दूसरी तस्वीर में रानी ने अपनी मां का हाथ थाम रखा है। उनकी इस फोटो में विश्वास और प्यार की भावनाएं झलक रही हैं। यह तस्वीर मां-बेटी के रिश्ते की गहराई को बिना शब्दों के बयां कर रही है। तीसरी तस्वीर में रानी अपनी मां और बहन के साथ नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रानी ने कैप्शन में मां के प्रति अपनी भावनाएं जाहिर कीं और लिखा- मैं कभी आप जैसी नहीं बन पाऊंगी.. आपने हम तीनों को अकेले संभाला, आज भी संभाल रही हैं। मैं अगर आज कुछ बन पाई तो सिर्फ आपकी वजह से, आप नहीं होतीं तो शायद मेरी लाइफ साधारण लड़कियों की तरह होती, पर आपने हमेशा हर वक्त मेरा साथ दिया। मैं आपको हर वो खुशी देने की कोशिश करूंगी जो आपने हम बच्चों को पालने में नहीं जी पाई और सुनहरी उम्र गुजार दी। समय वापस तो नहीं ला सकती पर मम्मी, मैं आपको हर खुशी देने की कोशिश करूंगी .. हर दिन आपका है, हैप्पी मदर्स डे।

पाकिस्तानी एक्टर्स पर भड़कीं रूपाली गांगुली

मुंबई/एजेन्सी

भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव का असर साफ तौर पर दोनों देशों के कलाकारों पर भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान पर नाराजगी जताने के बाद अब अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने एक पोस्ट शेयर कर पड़ोसी देश के कलाकारों को नसीहत भी दे डाली। रूपाली ने अपने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन उनके हालिया पोस्ट को देखकर कहा जा सकता है कि यह अभिनेता फवाद खान के लिए है सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर पोस्ट में अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मुझे अनफॉलो करने से आपके देश में कोई सुधार नहीं आएगा। सबसे पहले अपनी सरकार और सेना से भारत के खिलाफ आतंकवाद को रोकने के लिए कहें, यही पाकिस्तान की बेहतरी का एकमात्र तरीका

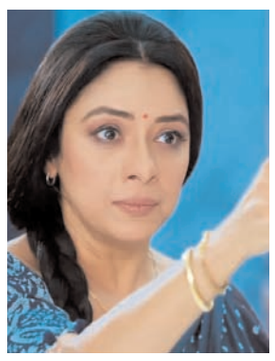

होगा। गांगुली ने लिखा, आपके फॉलो या अनफॉलो करने से किसी कलाकार को फर्क पड़ सकता है, लेकिन किसी भारतीय को नहीं। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, एक गर्वित भारतीय। जय हिंद, जय भारत। अभिनेता फवाद खान का इंस्टाग्राम हैंडल भारत में ब्लॉक है। उनके बयान के स्क्रीनशॉट इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में मारे गए आतंकवादियों के लिए दुख जताया था। पोस्ट में लिखा था, इस शर्मनाक हमले में घायल और मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं मृतकों और उनके प्रियजनों के लिए दुआ करता हूं। पोस्ट में लिखा था, सभी से विनम्र निवेदन है, भड़काऊ शब्दों से आग में घी डालना बंद करें। समझदारी की जीत हो। रूपाली ने इस पोस्ट को लेकर फवाद खान को जमकर लताड़ लगाई थी। उन्होंने कहा था, आपका भारतीय फिल्मों में काम करना हमारे लिए भी शर्मनाक था। इस बीच बता दें कि भारत के खिलाफ बोलने वाले पाकिस्तानी एक्टर्स की सूची में फवाद खान के अलावा कई दूसरे नाम शामिल हैं। इसमें हनिया आमिर, सजल अली और माहिरा खान जैसे कलाकारों का भी नाम शामिल है। इन पाकिस्तानी कलाकारों ने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को कायरतापूर्ण बताया था।

तलाक के बाद इन बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने दिखाई सिंगल मदर की ताकत

मुंबई/एजेन्सी

मां का प्यार दुनिया में सबसे खास होता है। वह अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती है। मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, ताकि हम अपनी मां को शुक्रिया कह सकें। बॉलीवुड में कई ऐसी माएं हैं, जो अपने पति से अलग रहकर सालों से अपने बच्चों की परवरिश अकेले कर रहीं हैं। उन्होंने ना सिर्फ एक मां का फर्ज निभा रही हैं, बल्कि बाप की जिम्मेदारी भी बेहतरीन तरीके से उठा रही हैं।

करिश्मा कपूर: करिश्मा कपूर न सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक मजबूत और प्रेरणादायक सिंगल मदर भी हैं। उनकी शादी 2003 में दिल्ली के बिजनेसमैन संजय कपूर से हुई थी, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चला। दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे और आखिरकार 2016 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद उन्होंने अपने दोनों बच्चों समायरा और कियान की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली। उन्होंने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनाकर अपना पूरा ध्यान बच्चों पर लगाया। वह कई बार उनके स्कूल के कार्यक्रमों में भी नजर आई हैं। सोशल मीडिया पर भी करिश्मा अपने बच्चों के साथ बिताए पलों को शेयर करती रहती हैं।

पूनम ढिल्लों: पूनम ढिल्लों ने बॉलीवुड में 80 और 90 के दशक में कई हिट फिल्मों में काम किया। उन्होंने न सिर्फ फिल्मों में, बल्कि असल जिंदगी में भी एक मजबूत महिला होने का परिचय दिया। उन्होंने अशोक ठकारिया से शादी की थी, लेकिन कुछ सालों बाद यह रिश्ता टूट गया। तलाक के बाद पूनम ढिल्लों ने अपने दोनों बच्चों, बेटी पलोमा और बेटे अनमोल की परवरिश अकेले की। उन्होंने अपने बच्चों को एक अच्छा जीवन देने के लिए बहुत मेहनत की। आज उनके दोनों बच्चे इंडस्ट्री में शानदार काम कर रहे हैं।

पूजा बेदी: जानी-मानी एक्ट्रेस पूजा बेदी ने 90 के दशक में कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने 1994 में फरहान फर्नीचरवाला से शादी की। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए, बेटी आलिया और बेटा उमर। लेकिन साल 2003 में उनका यह रिश्ता टूट गया और उन्होंने तलाक ले लिया। तलाक के बाद पूजा ने अपने बच्चों की परवरिश अकेले की और एक ताकतवर सिंगल मदर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। आज उनकी बेटी आलिया फर्नीचरवाला बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं।

आतंकवादी अब समझ लें कि ये देश झुकता नहीं : संजय दत्त

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पहलगाम हमले का बदला लिया। इसको लेकर कई भारतीय कलाकारों ने सेना की प्रशंसा करते हुए इसे गौरवान्वित करने वाला क्षण बताया। इस कड़ी में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए अपना अटूट समर्थन जाहिर किया और भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि लड़ाई किसी देश के खिलाफ नहीं बल्कि उन लोगों के खिलाफ है जो भय और हिंसा फैलाते हैं। संजू बाबा के नाम से मशहूर एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हमारे लोगों पर लगातार हो रहे हमलों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट के, पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ जवाब देंगे।

संजय ने कहा कि लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है और इस बार भारतीय अपनी जमीन पर डटे रहने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, दुनिया को समझना होगा कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति या देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन आतंकवादियों के खिलाफ है जो

भय, अराजकता और विनाश पर पनपते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम इस बार पीछे नहीं हटेंगे। ये आतंकवादी हिंसा की आड़ में छिपे कायरों के अलावा और कुछ नहीं हैं। वे छिपकर हमला करते हैं, लेकिन वे अब सीखेंगे कि हम एक ऐसा राष्ट्र हैं जो झुकता नहीं है। जब भी वे हमें तोड़ने की कोशिश करेंगे, हम और मजबूत होकर उठेंगे। हमारी एकता, हमारी भावना और वापस लड़ने की हमारी इच्छा उनकी नफरत से कहीं ज्यादा है। संजू ने सशस्त्र बलों के पराक्रम पर भरोसा जताते हुए कहा, सैनिक निडरता से सीमा पर डटे हुए हैं, हर आतंकी हमले का साहस से जवाब दे रहे हैं। वे केवल सीमाओं की रक्षा नहीं कर रहे हैं, वे हर बच्चे के सपने, हर परिवार की शांति और इस राष्ट्र की आत्मा की रक्षा कर रहे हैं। वे असली हीरो हैं और मैं उनमें से हर एक को सलाम करता हूं। यह केवल उनकी लड़ाई नहीं है। यह हमारी लड़ाई है। नागरिकों के रूप में, हमें एक साथ खड़ा होना चाहिए। हम डरेंगे नहीं। यह लड़ाई आज खत्म नहीं हो सकती। लेकिन हमारी ताकत, हमारा दृढ़ संकल्प और हमारी एकता मजबूत है। पोस्ट के आखिर में संजय ने लिखा, हम तैयार हैं और अगर जरूरत पड़ी तो हर संभव तरीके से सेवा करेंगे। हम एक हैं। हम मजबूत हैं। और हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक शांति बहाल नहीं हो जाती और न्याय नहीं मिल जाता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 12-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार्यश्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा 'महाश्रमण अभिवंदना' नामक एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन 10 मई को तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में किया गया।

प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ देन है मां, जिसके समक्ष सब शक्तियां छोटी

बीजेएस मैसूरु ने मनाया मातृ दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) मैसूरु के तत्वावधान में रॉयल सिटी के प्रांगण में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ 11 मई को मनाया गया। सामूहिक नवकार महामंत्र के स्मरण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रमुख वक्ता शर्मिला धोका ने मातृ शक्ति की महिमा बताते हुए कहा कि माँ प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ देन है और इस शक्ति के सामने सभी शक्तियां छोटी हैं। मातृत्व में ऐसी शक्ति और भक्ति है कि यह एक बच्चे को अच्छा नागरिक बना सकता है। माता मरुदेवी जैसी माँ तो एक तीर्थंकर को भी जन्म देती है और सारे संसार को प्रकाशित कर सकती है।

भारतीय जैन संघटना के मुख्य सचिव दीपक बोहरा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि माँ है तो जहां है, माँ शब्द में सारा संसार बसा हुआ है और माँ की ऊंचाई तो आसमां तक है। माँ ही प्रथम पाठशाला है और वह केवल एक बच्चे की ही नहीं, बल्कि संस्कार और सुसंस्कृत समाज की जननी होती है।

मैसूरु महिला इकाई की अध्यक्ष शर्मिला धोका ने सभी का स्वागत किया। मातृत्व विषय पर आयोजित संवाद में महिला इकाई की 30 महिलाओं ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ चर्चा के लिए सोनल चौपड़ा एवं स्वाति जैन को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माँ सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम भी संपन्न हुए। सचिव सीमा बोहरा ने आभार ज्ञापित किया। मैसूरु संघटना के कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, सचिव नवरतनमल पितलिया, महिला इकाई की उपाध्यक्ष संतोष सालेचा, आँचल देसरला, अनिता गादिया ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग दिया।

दादा गुरुदेव की पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्री सीमन्धर स्वामी राजेन्द्र सूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर मामुलपेट बेंगलूरु के तत्वावधान में श्री सीमन्धर स्वामी राजेन्द्रसूरी आरती मंडल मामुलपेट द्वारा दादा गुरुदेव की विशेष भक्ति एवं आरती का आयोजन रविवार को किया गया। बच्चों ने दादा गुरुदेव की पूजा एवं भक्ति की। गायक दिनेश बाफना ने 'म्हारो बेड़ो लगा दीजो पार गुरुवर..' आदि भजनों पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

गुरुदेव की आरती का लाभ प्रवीणकुमार प्रकाशचन्द तुकलिया परिवार बेंगलूरु ने लिया। लब्धि सूरी धार्मिक पाठशाला चिकपेट एवं ऋषभ संस्कार वाटिका के बच्चों ने भाग लिया। समारोह में मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, राजेश मकराणी, दिनेश चौहान, सुरेश कुमार, सुरेश राठौड़ आदि गणमान्य उपस्थित थे।

आयुर्वेद नेत्रा जल कैम्प और दो दिन बढ़ा, कल तक रहेगा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आयुर्वेद पद्धति से मोतियाबिन्द को दूर करने एवं शुगर, किडनी, बीपी, त्वचा रोग, लकवा, साइटिका, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, घुटने का दर्द आदि के लिए एक आयुर्वेदिक शिविर 'नेत्राजल कैम्प' का आयोजन बेंगलूरु में हुआ। दो दिवसीय इस शिविर में कुल 51 लोगों की जांच की गई। स्वर्गीय रामकिशन लुहारीवाला की स्मृति में बिपिन राम लुहारीवाला द्वारा प्रायोजित यह शिविर आगामी दो दिन के लिए बढ़ाया जा रहा है। अब यह सुविधा 12 व 13 मई को भी जेपीनगर के नौवें क्रॉस स्थित 919, श्याम निवास (रिलायंस डिजिटल शोरूम के पास) आयोजित शिविर में उपलब्ध है।

शिविर के संयोजक सुशील रुंगटा ने बताया कि इस कैम्प में छत्तीसगढ़ के डॉ. संतोष पटेल, बीजूराम साहू, देवकुमार साहू, सावित्री बाई, यदुराम साहू अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार पारम्परिक हर्बल दवा से आंखों की रोशनी बढ़ती है और दवा का उपयोग 5-6 बार करने के बाद चश्मा हटाया जा सकता है। 7-8 बार दवा डालने से मोतियाबिन्द ठीक हो सकता है। शुगर, किडनी, बीपी, त्वचा रोग, लकवा, साइटिका, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, घुटने का दर्द, एनीमिया आदि बीमारियों का भी उपचार उपलब्ध है। 12 व 13 मई को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चलने वाले इस शिविर में अपने पंजीकरण के लिए सुशील रुंगटा से मोबाइल नं. 80881 03746 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आचार्यश्री के दीक्षा दिवस पर महाश्रमण अभिवंदना का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा 'महाश्रमण अभिवंदना' नामक एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन 10 मई को तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में किया गया। इस आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और संगीत के भावों का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की गरिमा को आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकितकुमार जी एवं मुनिश्री आदित्यकुमार जी की पावन उपस्थिति ने और भी अधिक महिमामंडित किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुनिश्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ हुई जिसमें गुरु इंगित शनिवार सामायिक, अर्हत वंदना, जप, मुनिश्री द्वारा स्वरबद्ध भजनों का संगान और मुख्य गायकों द्वारा प्रस्तुतियों ने इस शाम को आध्यात्मिक ऊँचाइयों को प्राप्त किया।

इस भक्ति संध्या का मुख्य आकर्षण रहा संगीतमय भक्ति वंदना, जिसमें संगायक मनीष पगारिया बेंगलूरु एवं खुशी कठोतिया हैदराबाद द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया और तेयुप बेंगलूरु की प्रसिद्ध भजन मंडली 'प्रज्ञा संगीत सुधा' की विशेष प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया।

इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक मैना देवी-एमसी बलदोटा एवं सी वर्षा-अभिषेक बलदोटा, सिरियारी, बेंगलूरु एवं संतोष देवी-कन्हैयालाल, सुनीता-राजेश चिप्पड़, कन्हैया ग्रुप बेंगलूरु, सूरत, आमेट का भी विशेष आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और व्यवस्था समागम हो सकी।

इस कार्यक्रम में तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री अंकित छाजेड़, कोषाध्यक्ष महेंद्र कोचर, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल, शाखा प्रभारी अमित दक, अभातेयुप सदस्य दिनेश मरोठी, रोहित कोठारी, प्रदीप चोपड़ा एवं अनेकों तेयुप सदस्यों के साथ उपस्थित थे और महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष रिजू डूंगरवाल, टीपीएफ के अध्यक्ष पुष्पराज उपाध्यक्ष आंचलियाँ एवं सैंकड़ों श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन अश्विन धारीवाल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजकों एवं मुख्य गायकों का तेयुप बेंगलूरु द्वारा सम्मान किया गया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दाबसपेट के निकट श्री वनक्कल मलेश्वर मठ के प्रमुख बसवा रामानंद स्वामी को गायों की सेवा के लिए 1 लाख 21 हजार रुपए की सहयोग राशि का चेक श्री शिव गौसेवा भजन मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु ने सौंपा। इस मौके पर गौ सेवक महेन्द्र मुणोत, ट्रस्ट के अध्यक्ष हनुमान माली, रामकिशन प्रजापत, पारस सीरवी आदि उपस्थित थे। मठ प्रमुख ने शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए ट्रस्ट के पदाधिकारी को सम्मानित किया।

आचार्य जयमल का स्मृति दिवस जप, तप आराधना से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी म.सा. एवं डॉ. पदमचंद्रजी म.सा. की प्रेरणा से जैन समणी डॉ सुयशनिधिजी एवं जैन समणी डॉ सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु के तत्वावधान में जेपीपी जैन समणी सेंटर श्रीरामपुरम के परिसर में आचार्यश्री जयमलजी म. सा. का 229 वाँ स्मृति दिवस जप, तप, आराधना के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत चमत्कारी जय जाप अनुष्ठान के साथ हुई। एक विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी ने कहा कि साधुता, साधना और संघ के उज्वल पथ के पथिक, आचार्यश्री जयमलजी का संपूर्ण जीवन तप, त्याग और तितिक्षा की अनुपम मिसाल रहा है। आचार्य सम्राट ने युवाकाल से ही वैराग्य को अपनाया और कठोर तप, अपार ज्ञान तथा अद्वितीय संयम के बल पर केवल एक ही भव में सिद्धि प्राप्त करने वाले महामानव बने। आपका जीवन भीष्म प्रतिज्ञा की तरह दृढ़, ज्ञान और धर्म का प्रकाशपुंज रहा। आपने ना केवल अपने लिए अपूर्व साधना की, अपितु संघ और समाज के लिए भी अमूल्य योगदान दिया। उनकी वाणी में करुणा थी, दृष्टि में विवेक था और हृदय में जन-जन के कल्याण का संकल्प। आचार्यश्री की प्रमुख विशेषताएँ एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए समणीश्री ने कहा कि उन्होंने संघ संगठन को नवीन दिशा दी, अनेक साधु-साध्वियों का मार्गदर्शन कर उन्हें तप एवं अध्ययन की ओर प्रेरित किया। ज्ञान, आगम और धर्म के गूढ़ विषयों को उन्होंने सहज भाषा में जनमानस तक पहुँचाया। समाज में अहिंसा, संयम और क्षमा जैसे जैन सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया।

डॉ. समणी ने बताया कि पूज्यश्री की वाणी में जो श्रद्धा थी, वह जनमानस के अंतर्मन तक उतरती थी। उन्होंने हर व्यक्ति को आत्मा की ओर मोड़ने का प्रयास किया, यही कारण है कि आज भी उनकी शिक्षाएँ संघ, समाज और साधक हृदय में जीवित हैं। आचार्यश्री जयमल जी महाराज कोई साधारण संत नहीं थे, वह एक युग के ध्रुवतारा थे, जिनके तेजस्वी तप ने पूरे युग को दिशा दी। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को संयम, सेवा और आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होना चाहिए।

कार्यक्रम में चेतन कोठारी ने मंगलाचरण किया। श्री श्रेयांस पारणा समिति के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया जिसमें रमेश सियाल, जेके महावीर चोरड़िया, महावीर श्रीश्रीमाल, महेंद्र चोरड़िया, कोमलचंद धोका आदि उपस्थित हुए। पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम में हुए 79वें श्री जयमल जैन संस्कार शिविर में दी गई सेवा के लिए संस्थाओं को सम्मान किया गया। जे.पी.पी जैन युवा फाउंडेशन के अध्यक्ष चेतन कोठारी, मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष निशांत मकाना आदि सभी सदस्यों को जेपीपी जैन अणुप्पेहा ध्यान योग एकेडमी द्वारा सम्मानित किया गया। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, एलएनपुरम की अध्यक्ष अमिता नाहर, कोषाध्यक्ष रंजिता मरलेचा आदि मौजूद सदस्यों का सम्मान किया गया। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, अलसूर के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। जेके महावीर चोरड़िया ने अपने भाव प्रस्तुत किए। अक्षय श्रीश्रीमाल ने शिविर के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा किया और सेवाओं के अवसर के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन गुड़िया घीया ने किया।

टीम सैफ़ायर ने जीता बीजेटीसीटी युगादि कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को कोरमंगला के सैंट जॉन ग्राउन्ड में खेले गए मैच में सैफायर के कप्तान सुदीप ने टॉस जीता और बैटिंग की। सैफायर ने 18 ओवर में 135 रन बनाए वहीं इसके जवाब में इलेवन स्टार ने 133 रन बनाए। फाइनल मैच में मात्र 2 रन से बहुत ही रोमांचकारी जीत सैफायर ने हासिल कर बेंगलूरु जैन टैनिस बॉल क्रिकेट ट्रस्ट (बीजेटीसीटी) का युगादि कप 2025 जीता।

विजेता और उपविजेता को टॉफी और खिलाड़ियों को चांदी का सिक्का दिया गया। मैन ऑफ दि फाइनल, बेस्ट बैटसमैन और मैन ऑफ दि सीरीज सुदीप कोठारी रहे जिन्होंने 166 रन और 12 विकेट लिए। ट्रस्ट के संवाददाता श्रेयंस कोठारी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में ट्रस्ट के सदस्य महेन्द्र कोठारी, गिरीश गांधी, ज्ञान मंडोथ, मोहित मुनोत, कीर्ति भंसाली, प्रमोद पोरवाल, दीपक बलिया, सुन्दीप कोठारी आदि ने आयोजन किया।

अमिताभ बच्चन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रशंसा की

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने पहलगाम आतंकवादी हमले की रविवार को निंदा की और इसके प्रतिशोध में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की। आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हमला किया था जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

बच्चन (82) ने पहलगाम में आम नागरिकों को निशाना बनाए पर रविवार को दुख व्यक्त किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया गया।

बच्चन ने 'एक्स' पर लिखा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की उस समय हत्या कर दी जब वे छुट्टियां मना रहे थे। उन्होंने कहा, ''इसलिए मोदी और सरकार ने पड़ोस में आतंकवादी आधार शिविरों पर जवाब देने का फैसला किया और एक सैन्य प्रक्रिया शुरू की.. जिसके परिणाम सर्वविदित हैं.. उनके नौ आतंकवादी शिविरों और संगठनों को सैन्य रूप से नष्ट कर दिया गया..।'' बच्चन ने अपने पिता एवं हिंदी के प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन की लोकप्रिय कविता 'अग्निपथ' की पंक्तियों का इस्तेमाल कर सशस्त्र बलों का हौसला बुलंद करते हुए लिखा, ''तू ना थमेगा कभी, तू न मुड़ेगा कभी, तू न झुकेगा कभी, कर शपथ , कर शपथ, कर शपथ! अग्निपथ! अग्निपथ ! अग्निपथ।'' भारत और पाकिस्तान ने जमीन, वायु और समुद्र में सभी तरह की गोलाबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए शनिवार को सहमति जताई।

संरा के शीर्ष नेताओं ने सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए भारत, पाकिस्तान के बीच सहमति का स्वागत किया

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष नेताओं ने भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए बनी सहमति का स्वागत किया है तथा इसे मौजूदा शत्रुता को समाप्त करने एवं तनाव कम करने की दिशा में एक ''सार्थक'' और ''सकारात्मक कदम'' बताया है।संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि वह इस घटनाक्रम का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, ''यह तनाव कम करने की दिशा में एक सार्थक कदम है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''यांग ने मतभेदों को सुलझाने तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप स्थायी शांति और स्थिरता प्राप्त करने के लिए निरंतर कूटनीतिक प्रयास एवं वार्ता का आग्रह किया। शनिवार को भारत द्वारा गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने इस कदम का स्वागत किया और इसे मौजूदा शत्रुता को समाप्त करने एवं तनाव कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को नई दिल्ली के प्रीतमपुरा में श्री दिगंबर जैन मंदिर में 36वें रथ यात्रा महोत्सव के दौरान एक गाय को चारा खिलाती हुई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com